दैनिक
# छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026 website:- chhattisgarhgaurav.in



इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733



वर्ष 25 अंक 297 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये शनिवार 31 जनवरी 2026 डाक-रविवार 01 फरवरी 2026 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com


## प्रथमेश

### कॉन्गो में बड़ा हादसा, कोल्टन खदान ढहने से 200 से अधिक मज़दूरों की मौत

किंशासा ,31जनवरी ( एजेंसी )। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की रुबाया इलाके में खदानों की कोल्टन साइट पर कई खदानों के रास्ते ढह जाने से कम से कम 200 मज़दूरों की मौत हो गई है। कांगो के बागी अर्धसैनिक समूह 'मार्च 23 आंदोलन' ने शुक्रवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मरने वालों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। ये घटनाएं बुधवार और गुरुवार को अलग-अलग खदानों में हुईं। यह इलाका अप्रैल 2024 से बागी समूह के कब्जे में है। उल्लेखनीय है कि कोल्टन उर्फ कॉलंबाइट-टैंटेलाइट टैंटेलम का प्रमुख स्त्रोत है। यह एक दुर्लभ धातु है जिसका इस्तेमाल आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि दुनियाभर की टैंटेलम आपूर्ति का 15 प्रतिशत रुबाया खदानों से आता है।

# असम के सात जिलों में ही 64 लाख घुसपैठिए, शाह बोले, कांग्रेस के शासनकाल में बदल गई थी पूरी डेमोग्राफी

नई दिल्ली,31जनवरी ( एजेंसी )। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के 20 साल के शासन के दौरान असम की पूरी डेमोग्राफी ही बदल गई थी। उन्होंने कहा कि राज्य के सात जिलों में कम से कम 64 लाख घुसपैठिए बस गए थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार इस प्रवृत्ति को खत्म करने के लिए काम कर रही है। गृह मंत्री शाह ने करने चापोरी में ताकाम मिसिंग पोरिन केबांग द्वारा आयोजित 10वें 'मिसिंग युवा महोत्सव' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने की अपील की, ताकि राज्य को घुसपैठ से पूरी तरह मुक्त किया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान असम की जनसांख्यिकी पूरी तरह बदल गई।

घुसपैठियों की आबादी शून्य से बढ़कर 64 लाख हो गई और सात जिलों में घुसपैठिए बहुसंख्यक हो गए।' शाह ने कहा कि मोदी सरकार राज्य में जनसांख्यिकीय प्रवृत्ति को पलटने के लिए विभिन्न तरीकों से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि आप असम में घुसपैठ रोकना चाहते हैं, तो भाजपा सरकार को तीसरी बार चुनकर अवैध प्रवासियों के खिलाफ लड़ाई में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के हाथों को मजबूत करें। असम में भाजपा सरकारों ने अतिक्रमण की गई 1.26 लाख एकड़ भूमि को घुसपैठियों से मुक्त कराया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने असम के ऊपरी क्षेत्रों में घुसपैठियों को बसने से रोकने में 'मिसिंग' समुदाय द्वारा निभाई गई भूमिका का भी उल्लेख किया।

असम विधानसभा चुनावों से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक बार फिर असम दौरे पर हैं। शुक्रवार ( 30 जनवरी ) को उन्होंने डिब्रूगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। अमित शाह ने गणतंत्र दिवस पर आयोजित एट होम रिसेप्शन में राहुल गांधी को राष्ट्रपति का दिया पटका न पहनने के लिए भी घेरा। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी राष्ट्रपति के एट होम रिसेप्शन में इकलौते ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने असमिया गमछा धारण नहीं किया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर असमिया संस्कृति के अपमान का आरोप लगाया और कहा कि बीजेपी यह बर्दाश्त नहीं करेगी। अमित शाह ने कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठ को हथियार की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से पूछता हूं कि कांग्रेस ने असम को बंदूकें, गोलियां, संघर्ष और मौतों के अलावा क्या दिया है?

# किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू, दो से तीन आतंकी घेरे

जम्मू,31जनवरी ( एजेंसी )। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के चतरू के जंगलों में शनिवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'चल रहे संयुक्त अभियान ऑपरेशन त्राशी-द्व के दौरान व्हाइट नाइट कोर, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ( सीआरपीएफ ) के जवानों ने डोलगाम के इलाके में सुबह-सुबह आतंकवादियों से फिर से मुठभेड़ शुरु हो गई।' उन्होंने कहा कि अभियान को अंजाम देने के लिए कई सूत्रों से मिली खुफिया जानकारी को समन्वय किया गया था। सेना ने एक पोस्ट में कहा, 'घेराबंदी कर दी गई है, और अभियान जारी है।'

उन्होंने कहा कि बर्फ से ढके चतरू इलाके में छिपे आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के दो से तीन आतंकवादियों के समूह को ढूंढ



निकालने और खत्म करने के लिए तलाशी अभियान तेज़ कर दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि 18 जनवरी को शुरू हुए इस अभियान के दौरान देश विरोधी तत्वों द्वारा दुरुपयोग को रोकने के लिए शुक्रवार को सिंहपोरा, चिंगम और चतरू को कवर करने वाले छह किलोमीटर के दायरे में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

# चाइनीज मांझे में दौड़े करंट से 14 साल का लड़का झुलसा, 20 फीट ऊंची छत से नीचे गिरा

रायसेन,31जनवरी ( एजेंसी )। बेगमगंज नगर में शुक्रवार को एक 14 वर्षीय बालक करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गया। वह छत पर पतंग उड़ा रहा था। बिजली की हाइटेंशन लाइन में चाइनीज मांझा उलझ गया, इसी दौरान मांझे में करंट प्रवाहित हुआ और वह उसकी चपेट में आ गया।

नगर के पक्का फाटक मोहल्ला निवासी बालक के पिता नसीम अली ने बताया कि उनका 14 वर्षीय पुत्र जुबेर छत पर पतंग उड़ा रहा था कि अचानक पतंग का मांझा ऊपर से निकली हाइटेंशन लाइन में उलझ गया और डोर में अचानक करंट प्रवाहित होने पर बालक को जोर का झटका लगा और वह उछलकर 20 फीट ऊंची छत से नीचे आकर क्रांकीट सड़क पर गिरा।

थाना प्रभारी राजीव उइके के अनुसार, बालक को करंट जोरदार झटका लगा और वह छत से सड़क पर आ गिरा। गिरने के कारण बालक का सिर फट गया, घुटने और पांव में गंभीर चोटें आई हैं।

बालक की चीख पुकार सुनकर परिजन एवं आसपास के लोग दौड़े और तत्काल उसको उठाकर सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सागर के मेडिकल कालेज रेफर कर दिया था, जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

# पीएम मोदी के जालंधर दौरे से पहले स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, अलर्ट मोड पर सुरक्षा एजेंसियां

जालंधर ,31जनवरी ( एजेंसी )। प्रधानमंत्री मोदी के पंजाब दौरे से एक दिन पहले जालंधर में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों सूचना मिलने का बाद एक्टिव हो गईं और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह धमकी ईमेल पर भेजी गई है। आज गुरु रविदास महाराज की जयंती पर शोभायात्रा के चलते जालंधर के स्कूलों में छुट्टी है।

जानकारी के मुताबिक ईमेल में लिखा गया है कि मोदी के दौरे को लेकर बम ब्लास्ट होगा। मेल को 'बिली हाल' के नाम से भेजा गया। मेल में लिखा गया है कि आज 3-4




स्कूलों में बम धमाका होगा। हम गुरु रविदास जी की फुल रिस्पेक्ट करते हैं। लेकिन मोदी खालिस्तान वालों का दुश्मन है। खालिस्तानियों का बाबा निरंजन दास के साथ कोई गिला-शिकवा नहीं है। मसला मोदी का है। निज्जर की मौत का जिम्मेदार कौन है... बदला... बदला...बदला। निशाने पर डेरा बल्लां।वहीं पीएम मोदी की सुरक्षा के चलते पुलिस ने पूरा शेड्यूल जारी नहीं किया है।

# सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद बंगाल के वोटरों को राहत, वोटर लिस्ट में दोबारा नाम दर्ज कराने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली,31जनवरी ( एजेंसी )। पश्चिम बंगाल में एसआईआर की तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में शामिल लगभग 1.25 करोड़ मतदाताओं के नाम सार्वजनिक करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से लाखों मतदाताओं को वोटर लिस्ट में दोबारा नाम दर्ज कराने में मदद मिलेगी। इस आदेश का मकसद यही है कि लोगों के मताधिकार की हर कीमत पर सुरक्षा होनी चाहिए।

बंगाल में विवाद। तार्किक विसंगति वह श्रेणी है, जिसमें किसी मतदाता का नाम हटाया नहीं जाता, लेकिन उसकी दी जानकारी रेकॉर्ड से मेल नहीं खाती या संदेह पैदा करती है। ऐसे मामलों में संबंधित मतदाताओं को स्पष्टीकरण का मौका दिया जाता है। हालांकि बंगाल में बड़े पैमाने पर लोगों को इस श्रेणी में डाल दिए जाने से विवाद खड़ा हो गया। झस्ष्ट का आरोप है कि चुनाव आयोग ने जानबूझकर ड्राफ्ट रोल से मतदाताओं के नाम काटे हैं, जबकि आयोग ऐसे आरोपों से इनकार करता आया है।

छोटी बात भी बड़ी। सुप्रीम कोर्ट के दखल से अब प्रभावित लोगों को आपत्तियों के जवाब और संबंधित दस्तावेज जमा करने में सुविधा मिलेगी। देखा जाए तो भले इस श्रेणी का मतलब नाम न कटना हो, लेकिन आम लोगों के लिए छोटी-छोटी बातें भी कई बार बड़ी मुश्किल पैदा करती हैं। यह संख्या ही अपने आप में इतनी बड़ी है, जिनकी आपत्तियों के निपटारे के लिए पर्याप्त समय और धैर्य चाहिए। उम्मीद कर सकते हैं कि प्रक्रिया को लेकर जो शिकायतें उठ रही हैं, अदालत के फैसले से वे दूर होंगी - आम लोगों को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्था बनाई जाएगी।

# रायपुर में रसोइयों का चक्काजाम, भड़काऊ भाषण और नारेबाजी के बाद पुलिस का कड़ा एक्शन, पांच सौ से अधिक पर केस दर्ज

रायपुर,31जनवरी ( एजेंसी )।

अभनपुर थाना क्षेत्र में छत्तीसगढ़ स्कूल मध्यान्ह भोजन रसोईया संयुक्त संघ का धरना-प्रदर्शन कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया। 29 जनवरी को ग्राम तूता रेलवे अंडरब्रिज के पास संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना दिया था। पुलिस के मुताबिक धरना शांतिपूर्ण रूप से चल रहा था, लेकिन बाद में आंदोलन उग्र हो गया।

आरोप है कि धरना समाप्त होने के बाद संघ के कुछ नेताओं द्वारा भड़काऊ भाषण दिए गए, जिससे प्रदर्शनकारी आक्रोशित हो गए। इसके बाद राम गुलाम ठाकुर के नेतृत्व में सैकड़ों प्रदर्शनकारी



नवा रायपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर पहुंच गए और वहां रैली निकालते हुए सड़क पर बैठकर जाम कर दिया। इस दौरान शासन-प्रशासन, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां और नारेबाजी की गई। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अभनपुर द्वारा रैली को अवैध बताते हुए बार-बार समझाइश दी गई कि मुख्य मार्ग अवरुद्ध करने से आम नागरिकों को परेशानी होगी, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने निर्देशों की अनदेखी की। सड़क जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को काफी देर तक परेशान होना पड़ा।

थाना प्रभारी अभनपुर की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने रामराज कश्यप ( प्रदेश अध्यक्ष ), मेघराज बघेल ( प्रदेश सचिव ), कचरा चंद्राकर ( प्रदेश उपाध्यक्ष ), सुनीता, उल्फी यादव, कन्हैया यादव ( प्रदेश कोषाध्यक्ष ), राम गुलाम ठाकुर सहित 500-600 अज्ञात सदस्यों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 126( 2 ) और 191( 2 ) के तहत मामला दर्ज किया है।

# सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश: स्कूलों में लड़कियों के लिए की जाए अलग टॉयलेट और सैनिटरी पैड की व्यवस्था

नई दिल्ली,31जनवरी ( एजेंसी )। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को स्कूली छात्राओं के स्वास्थ्य, गरिमा और समान अधिकारों को लेकर एक अहम और दूरगामी फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के सरकारी और निजी स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही अदालत ने आदेश के अनुपालन के लिए तीन माह की समय-सीमा तय की है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार में मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार भी शामिल है। अदालत ने कहा कि सुरक्षित, प्रभावी और किफायती मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन तक पहुंच से बालिकाओं को यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के सर्वोच्च स्तर तक



पहुंचने में मदद मिलती है। कोर्ट के अनुसार, स्वस्थ प्रजनन जीवन के अधिकार में यौन स्वास्थ्य से जुड़ी शिक्षा और आवश्यक जानकारी तक पहुंच भी शामिल है।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि समानता का अधिकार केवल कानून तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समान शर्तों पर भागीदारी और अवसर की बराबरी के माध्यम से व्यवहार में उतरता है। अवसर की समानता तभी संभव है, जब सभी बच्चों को शिक्षा और विकास के लिए जरूरी संसाधन समान रूप से उपलब्ध हों।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह निर्णय सिर्फ कानूनी व्यवस्था से जुड़े लोगों के लिए नहीं है, बल्कि उन कक्षाओं के लिए भी है जहां कई बार लड़कियां मदद मांगने में झिझकती हैं। यह उन शिक्षकों के लिए है जो सहयोग करना चाहते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण असहाय महसूस करते हैं। अदालत ने इसे माता-पिता और समाज के लिए भी एक संदेश बताया कि प्रगति का सही पैमाना यह है कि हम सबसे कमजोर वर्गों की सुरक्षा और सम्मान कैसे सुनिश्चित करते हैं।

कोर्ट ने विशेष रूप से उन छात्राओं का जिक्र किया, जो मासिक धर्म से जुड़ी असुविधाओं और सामाजिक झिझक के कारण स्कूल जाने से वंचित रह जाती हैं। अदालत ने कहा कि यह उनकी कोई गलती नहीं है और यह संदेश न्यायालयों की दीवारों से बाहर समाज की सामूहिक चेतना तक पहुंचना चाहिए।

## वाह वाह

दामाद को परेशान देख ससुर ने उससे कहा,

तुम चाहो तो अपनी परेशानी मुझे कह सकते हो

दामाद- मलेरिया के बारे में मच्छर से क्या बात करना....

दामाद- आपकी लड़की में दिमाग नाम की कोई चीज नहीं है,

मुझे पहले पता होता तो में ये शादी ही नहीं करता

ससुर- जब तुम देखने आए थे, तो तुमने सिर्फ हाथ मांगा था

दिमाग की तो कोई बात ही नहीं हुई थी

अब कुछ नहीं हो सकता.....

# छत्तीसगढ़ के 82 लाख परिवारों को बड़ी राहत, फरवरी में ही मिलेगा 2 महीने का राशन, सरकार ने जारी किए निर्देश

रायपुर,31जनवरी ( एजेंसी )। सार्वजनिक वितरण प्रणाली ( पीडीएस ) के तहत राज्य के 82 लाख राशनकार्डधारियों को फरवरी 2026 में ही दो महीने का चावल एकमुश्त दिया जाएगा। फरवरी माह में ही मार्च का भी वितरण किया जाएगा। सभी कलेक्टरों और राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को निर्देश दिए गए हैं कि वितरण व्यवस्था समय पर और सुचारू रूप से सुनिश्चित की जाए।

राज्य योजना के अंतर्गत आने वाले अंत्योदय, प्राथमिकता, एकल निराश्रित और नि:शक्तजन राशनकार्डधारियों को फरवरी में ही दो माह ( फरवरी और मार्च ) की पात्रता के अनुसार सामान्य ( नानफोर्टिफाइड ) चावल दिया जाएगा। यह आबंटन एकमुश्त जारी किया गया है, इसलिए दुकानों में पर्याप्त भंडारण करने को कहा गया है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम ( एनएफएसए ) के अंतर्गत आने वाले अंत्योदय और प्राथमिकता राशनकार्डधारियों को उनकी निर्धारित मासिक पात्रता



के अनुसार फोर्टिफाइड राइस दिया जाएगा। इन हितग्राहियों के लिए फरवरी माह का नियमित आबंटन जारी किया गया है। सामान्य एपीएल राशनकार्डधारियों के लिए भी फरवरी का मासिक चावल आबंटन जारी किया गया है, जिसे निर्धारित मात्रा अनुसार वितरित किया जाएगा। चावल के अलावा नमक, शक्कर और गुड़ का आबंटन भी फरवरी के लिए जारी किया गया है। संबंधित उचित मूल्य दुकानों को निर्देशित किया गया है कि सभी सामग्रियों का वितरण आबंटन के अनुसार ही किया जाए। हितग्राहियों को राशन उठाव के लिए ई-पास मशीन में पृथक-पृथक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण करना होगा। इसके लिए एईपीडीएस साफ्टवेयर में आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों ने दुकानदारों को इसकी जानकारी पहले से देने को कहा है, ताकि वितरण के समय परेशानी न हो। प्रदेश में 15 नवंबर 2025 से धान खरीदी शुरू होने के बावजूद 31 जनवरी 2026 तक राइस मिलर्स से चावल उठाव नहीं करने की स्थिति ने मिलिंग उद्योग को गहरे संकट में डाल दिया है। 75 दिन तक मिलिंग पूरी रफ्तार से नहीं होने से श्रमिकों, उद्योग और आपूर्ति तंत्र पर व्यापक असर की आशंका जताई जा रही है।

# धान नहीं बिकने से परेशान किसान टावर पर चढ़ा, टोकन नहीं कटने पर उठाया खतरनाक कदम

जांजगीर-चांपा ,31जनवरी ( एजेंसी )। जिले में धान खरीदी व्यवस्था की अव्यवस्थाओं ने एक बार फिर किसान को गंभीर मानसिक तनाव में डाल दिया। नवागढ़ ब्लॉक के कसौंदी गांव में धान नहीं बिकने और समय पर टोकन नहीं कटने से परेशान एक किसान मोबाइल टावर पर चढ़ गया, जिससे पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार किसान अनिल सूर्यवंशी धान खरीदी नहीं होने से आहत होकर गांव में स्थित टावर पर चढ़ गया। बताया जा रहा है कि किसान पर करीब 1.50 लाख रुपये का कर्ज है और धान बिक्री से ही वह कर्ज चुकाने की उम्मीद लगाए बैठा था। लेकिन धान खरीदी का आज अंतिम दिन बताए जाने के कारण उसकी चिंता और बढ़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि किसान पिछले कई दिनों से टोकन कटने का इंतजार कर रहा था, लेकिन बार-बार केंद्र के चक्कर लगाने के बावजूद उसकी धान खरीदी नहीं हो सकी। इसी तनाव और निराशा में उसने यह कदम उठाया।

# वालको ने डिजिटल समाधान से स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को दी नई दिशा

बालकोनगर, 01फरवरी । वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड ( बालको ) ने अपने संयंत्र और विभागों में डिजिटल तकनीक के उपयोग बढ़ावा दिया है। इसमें सप्लाई चेन, पॉटलाइन, कास्ट हाउस, रोल्ड प्रोडक्ट्स और कार्बन यूनिट शामिल हैं। इसका उद्देश्य काम को ज्यादा सुरक्षित, तेज, बेहतर गुणवत्ता वाला और पारदर्शी बनाना है। ये पहल प्रचालन दक्षता बढ़ाने, गुणवत्ता को सुदृढ़ करने, सुरक्षा को मजबूत करने और सशक्त गवर्नेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई हैं, जो कंपनी की जिम्मेदार एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

आज के समय में वैश्विक धातु उद्योग में डिजिटल तकनीक बहुत जरूरी हो गई है। बालको की यह पहल वेदांता के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके तहत भविष्य के लिए तैयार प्रचालन प्रणालियाँ तकनीक आधारित इंटेलिजेंस पर आधारित होनी चाहिए।

गुणवत्ता और ग्राहकों के भरोसे को मजबूत करने के लिए बालको ने 'क्वालिटी संकल्प ऐप' शुरू किया है। इस ऐप से कर्मचारी शॉपफ्लोर पर ही गुणवत्ता से जुड़ी जानकारी रियल-टाइम में दर्ज कर सकते हैं। इससे समस्या को जल्दी पहचानकर तुरंत सुधार किया जा सकता है। इस ऐप में मशीनों की स्थिति और स्वास्थ्य, सुरक्षा व पर्यावरण ( एचएसई ) से जुड़ी जानकारियां भी दर्ज की जाती हैं। इससे प्रचालन उत्कृष्टता के लिए एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है।

कामकाज को और बेहतर बनाने के लिए बालको ने अपनी लैब और उत्पादन से जुड़ी कई प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया है। कोयला प्रयोगशाला को पूरी तरह डिजिटल कर दिया गया है, जिससे नमी, राख, सल्फर जैसे जरूरी टेस्ट अपने-आप रिकॉर्ड हो जाते हैं। इससे उत्पादन की गुणवत्ता और पर्यावरण से जुड़ा प्रदर्शन बेहतर होता है और सही फैसले लेने में मदद मिलती है। यह एकीकृत डिजिटल ढांचा संसाधन योजना, प्रक्रिया नियंत्रण और गवर्नेंस को सुदृढ़ करता है तथा संपूर्ण वैल्यू चेन में सूचित प्रचालन निर्णय लेने में सहायक बनता है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको में डिजिटल तकनीक का मतलब सिर्फ नई मशीनें या सॉफ्टवेयर लाना नहीं है, बल्कि पारदर्शिता, जिम्मेदारी और लगातार सुधार की संस्कृति बनाना है। इन पहलों से हमारी गुणवत्ता, सुरक्षा और गवर्नेंस मजबूत हुई है। वेदांता एल्युमिनियम का हिस्सा होने के नाते हम अपनी सभी प्रक्रियाओं में डिजिटल सिस्टम को शामिल कर रहे हैं ताकि भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार रह सकें।

सुरक्षा के क्षेत्र में बालको ने एक डिजिटल कन्सीक्वेंस मैनेजमेंट पोर्टल शुरू किया है, जिसमें असुरक्षित काम, गलत परिस्थितियों और जोखिमों की जानकारी दर्ज की जाती है। इससे खतरे को समय रहते पहचानकर उस पर कार्रवाई की जाती है। इसके साथ ही, 24×7 कर्मचारी व्यवहार निगरानी प्रणाली के जरिए काम और वाहनों की आवाजाही से जुड़े जोखिमों पर लगातार नजर रखी जाती है।

इसके अलावा, बालको ने मेटल ऑपरेशंस में उत्पादन और खपत की जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑटोमेट कर दिया है। अब उत्पादन से जुड़ा डेटा तुरंत उपलब्ध हो जाता है, मैनुअल काम कम होता है और रिपोर्ट ज्यादा सही बनती है।

इन सभी के माध्यम से बालको डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग कर प्रक्रियाओं के अनुकूलन, गुणवत्ता संवर्धन, गवर्नेंस सुदृढ़ीकरण और डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली के जरिये अपने कामकाज को ज्यादा सुरक्षित, सरल, पारदर्शी और प्रभावी बना रहा है।

## फार्म 7 के दुरुपयोग की शिकायत, कार्रवाई की मांग

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। अल्पसंख्यक समाज ने जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर को ज्ञापन सौंप फार्म 7 के दुरुपयोग की शिकायत की है। इसके तहत अज्ञात लोग मतदाता सूची से नाम काटने फार्म जमा कर रहे हैं। इसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। समाज के लोगों ने कहा कोरबा विधानसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान फर्जी तौर पर आवेदन जमा किए गए हैं। इनमें अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का नाम मतदाता सूची से विलोपित करने की जानकारी मिली है। अल्पसंख्यक व विशेष समुदायों को टारगेट बनाकर फॉर्म जमा किए जा रहे हैं। मोहम्मद शाहिद और मकबूल खान का कहना है कि निर्वाचन कार्यालय उन सभी लोगों की सूची सार्वजनिक करे, जिन्होंने फॉर्म जमा किए हैं।

## लिंक एक्सप्रेस से बैग चुरा कर भाग रहा चोर पकड़ाया

### रेलवे पुलिस के किया गया हवाले

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। रेलवे स्टेशन कोरबा से सवार हुए यात्री का बैग चोरी कर भाग रहे चोर को सहयात्रियों ने धर दबोचा। जिसे रेलवे पुलिस के सुपुर्द किया गया। बताया जा रहा है बरमपुर निवासी विवेक कुमार पटेल लिंक एक्सप्रेस से जा रहा था। बिलासपुर से आगे बिल्हा स्टेशन के करीब ट्रेन पहुंचने पर एक व्यक्ति विवेक का बैग छिनकर भागने लगा। जब तक वह भागकर ट्रेन से उतर पाता अन्य सहयात्रियों ने उसे धर दबोचा। तत्काल इसकी सूचना टीटी को सूचित कर जीआरपीएफ को दी गई। ट्रेन में यात्रा कर रहे रामपुर निवासी रमेश वर्मा ने बताया कि भाठापारा रेलवे स्टेशन में उसे आरपीएफ को सौंप दिया गया। विवेक ने बताया कि उसके बैग में लैपटॉप था। काफी देर तक ट्रेन में घटना के बाद गहमागहमी की स्थिति बनी रही।

## अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगी मोतियाबिंद से मुक्ति

### कलेक्टर ने मोतियाबिंद रोगियों के त्वरित चिन्हांकन के दिए निर्देश

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा जिले के वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'अटल वयो अभ्युदय योजना' ( एवीवाईएवाई ) के अंतर्गत मोतियाबिंद सर्जरी हेतु विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। समाज कल्याण संचालनालय रायपुर के संदर्भ में जारी इस निर्देश के तहत जिले के ऐसे वरिष्ठ जन जो मोतियाबिंद की समस्या से ग्रसित हैं, उनकी पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिले के समस्त विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे आर.एच.ओ. महिला व पुरुष, मितानिन और विभागीय अमले के माध्यम से अपने क्षेत्रों में मोतियाबिंद पीड़ित बुजुर्गों का सर्वे कर उनका चिन्हांकन सुनिश्चित करें। चिन्हित किए गए नागरिकों की विस्तृत जानकारी निर्धारित प्रारूप में तैयार कर एक सप्ताह के भीतर सॉफ्ट एवं हार्ड कॉपी में कार्यालय उपसंचालक समाज कल्याण कोरबा ई मेल आईडी dpsw.korba@gmail.com में उपलब्ध करानी होगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य जिले के वरिष्ठ नागरिकों को दृष्टि दोष से मुक्ति दिलाकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।

## बुलेट रैली निकालकर सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का दिया संदेश

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। सड़क सुरक्षा माह जनवरी के अंतर्गत जिला परिवहन विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को शहर में बुलेट रैली निकाली गई। जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा परिवहन के मार्गदर्शन में आम जागरूकता के लिए यह राइड आयोजित की गई। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस वर्ष सड़क सुरक्षा सप्ताह के बजाय पूरे एक महीने सड़क सुरक्षा माह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिला परिवहन विभाग कोरबा के दिशा निर्देश एवं रॉयल एनफील्ड कैलाश ऑटो एजेंसी के सहयोग से बाइक रैली टीपीनगर से प्रारंभ हुई। इस दौरान रैली सीएसईबी चौक, तानसेन चौक, कोसाबाड़ी, निहारिका, घंटाघर एवं बुधवारी बाजार से होते हुए पुनः टीपीनगर स्थित रॉयल एनफील्ड के शो रुम पर समाप्त हुई। आलोक दिवाटे के नेतृत्व में हेलमेट पहनकर बुलेट में सवार राइडर्स ने रैली के माध्यम से आम जनों को सड़क सुरक्षा के अनिवार्य नियमों का पालन का संदेश दिया। जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा ने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर चोटें केवल हेलमेट या सीट बेल्ट न लगाने के कारण होती हैं, जिन्हें आसानी से टाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि सड़क पर सफर करते वक्त न केवल चालक, अपितु हर राहगीर की सुरक्षा हम सब की एक सामूहिक जिम्मेदारी बन जाती है। ऐसे में स्वयं की, अपने परिवार-दोस्तों के साथ सड़क पर चल रहे हर व्यक्ति की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का अनुसरण अनिवार्य रूप से करें। श्री सिन्हा ने जिलेवासियों को बाइक चलाते वक्त हेलमेट पहनने, कार ड्राइविंग के समय सीट बेल्ट लगाने, लेन अनुशासन का पालन करने, गति सीमा में वाहन चलाने, नशे में ड्राइविंग न करने, ट्रैफिक सिग्नलों का सम्मान करने जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए। रैली के दौरान यातायात नियमों का पालन करें, जीवन अनमोल है जैसे स्लोगन लिखी तख्तियां भी प्रदर्शित की गईं।

## रातखार बायपास पर भिड़े दो ट्रेलर, दोनों चालक घायल

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। शहर में नो एंट्री खुलने के बाद बढ़ी मालवाहकों की आवाजाही के बीच रातखार बायपास पर रात दो ट्रेलर के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई।

हादसे में दोनों वाहन चालक घायल हो गए। घटना बीती रात करीब साढ़े 10 बजे रातखार शराब दुकान के समीप हुई। एक ट्रेलर कुसमुंडा से शहर की ओर तो दूसरा ट्रेलर शहर से गेवरा की ओर जा रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ट्रेलर के केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दोनों के चालक अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही कोतवाली लौट रही पुलिस पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। राहगीरों व स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू कर दोनों चालकों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं हादसे के बाद रातखार बायपास पर वाहनों का लंबा जाम लग गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर घंटों मशक्कत के बाद यातायात व्यवस्था बहाल की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। मामले में पुलिस ने वाहन चालकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

## राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम दिलाने वाला रहेगा। आज टेक्सटाइल का बिजनेस करने वालों को बड़ा धनलाभ होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आप सफल रहेंगें। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। हार्डवेयर का काम रहे व्यक्तियों को आज बढ़िया धन कमाने के अवसर प्राप्त होंगे। आज आप लेन - देन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए जी तोड़ मेहनत करेंगे। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल भी हो जाएंगी। इस समय कोई नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज ऑफिस में मीटिंग के दौरान आप अपने विचारों को रखेंगें, जिससे आपकी दूरदर्शिता की प्रसंशा होगी। सरकारी विभाग के लोगों की नौकरी में सुखद परिवर्तन आएगा, ट्रान्सफर से जुड़ी अच्छी खबर मिलेगी।

सिंह राशि: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज आपको रोजगार में तरक्की करने के बेहतरीन मौके मिलेंगें। आज आप जल्दबाजी में कोई भी फैसला न लें और न ही दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करें। आज आप जीवनसाथी के साथ घर के लिए जरुरी सामान लेने बाजार जायेंगें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप दिन की शुरुआत किसी अच्छी आदत के साथ करेंगें। आज आप अनावश्यक खर्चों से बचकर रहें। मित्रों के साथ हास-परिहास और मनोरंजन का मौका मिलेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप किसी नए काम की शुरुआत के बारे में घर वालों से बात करेंगें। पारिवारिक और व्यवसायिक गतिविधियों में संतुलन बना रहेगा। किसी भी काम को जल्दी पूरा करने की सोच रखें, ये आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप भावनाओं में बहकर कोई भी निर्णय न लें, अन्यथा आपका काम बिगड़ सकता है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी काम को पूरा करने के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं। कारोबार में कुछ न कुछ चुनौतियां रहेंगी, हालांकि आपकी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे। आज आप लेन डू देन के मामलो में थोड़ा सोच डू विचार कर ही कदम उठायें।

धनु राशि: आज आपका दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपको जीवन में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगें, जिनका लाभ आप अवश्य उठाएं। महिलाएं आज घर का काम समय पर पूरा कर लेंगी और वे अपने मनपसन्द काम को आगे बढ़ाएंगी। पारिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा, जो भविष्य में आपको धन लाभ कराएगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आप पुराने घर का रेनोवेशन कराने का विचार कर सकते हैं, इस विषय पर आप जीवनसाथी की राय लें सकतें हैं। आज बातचीत करने में मधुरता रखें तो आपके लिए अच्छा है। आज आपके किसी उच्च अधिकारी से मुलाकात के योग बन रहे हैं।



कुम्भ राशि: आज का दिन आपके लिये खास रहेगा। आज अपने बिजनेस को बड़ा बनाने का प्रयास करेंगें। आज आपके व्यवहार में विनम्रता एवं लचीलापन ही आपको सम्मान दिलाएगा। पारिवारिक रिश्तों में गहराई और अपनापन आपको सुकून देगा। आज आप किसी सामाजिक समारोह की जिम्मेदारी बखूबी निभायेंगें।

मीन राशि: आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज किसी काम के सिलसिले में आपको थोड़ी ज्यादा दौड-धूप करनी पड़ सकती है। इस राशि के छात्र जो सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें जल्द ही सफलता मिलेगी मिलेगी। आज दान पुण्य के कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी। आज आपकी बातों से दोस्त प्रभावित होंगे और आपका गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। आज आपके पड़ोसी के साथ रिश्ते सुधरेंगें, एक -दूसरे के घर आना -जाना होगा। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा जिससे काम में मन लगा रहेगा।

## महासंकल्प 2026:स्वच्छता संकल्प पर रिकार्ड बनाने 6 फरवरी को घंटाघर में जुटेगा कोरबा

## गोल्डन बुक वर्ल्ड

कोरबा 01फरवरी । महासंकल्प 2026 के तहत 01 घंटे की समयसीमा में स्वच्छता शपथ के एक ही बैनर पर 8000 लोगों द्वारा हस्ताक्षर कर '' गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड '' कायम करने हेतु 06 फरवरी शुक्रवार को हमारा कोरबा घंटाघर से रविशंकर नगर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर जुटेगा तथा प्रबल संकल्प शक्ति का परिचय देते हुए ''गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड '' को अपनी झोली में डालेगा।

महासंकल्प 2026 के बैनर तले कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में निगम व जिला प्रशासन '' गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड '' की तैयारियो को अंजाम देने में जुट गया है, यहॉ यह उल्लेख करना लाजमी होगा कि स्वच्छता शपथ के एक ही बैनर में 01 घंटे की समयसीमा में साढ़े 07 हजार हस्ताक्षर कराने का ''गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड '' अभी उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ के नाम पर है, अब इस रिकार्ड को क्रेक कर नया रिकार्ड बनाने एवं '' गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड '' को अपने नाम करने के लिए हमारा कोरबा पूरे संकल्प शक्ति के साथ आ खड़ा हुआ है। कोरबा के लिए कुछ नया करने एवं यहॉ के लिए अविस्मरणीय उपलब्धि हासिल करने की चाहत लिए जिले के कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत तथा कोरबा के विकास के लिए दृढ़इच्छा रखने वाली महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की इस नूतन पहल को अमलीजामा पहनाने की जिम्मेदारी निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय को दी गई है।

बैठकों का दौर जारी - आयुक्त श्री पाण्डेय ने आज इस हेतु बैठकों का दौर जारी करते हुए कोरबा के महाविद्यालयों व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की तथा इस बृहतर आयोजन की रूपरेखा व तैयारियों पर उनके साथ मंथन किया, वहीं विद्यालयों, विभागों, संस्थाओं, संगठनों, प्रतिष्ठानों आदि के साथ बैठक कर तैयारियों पर मंथन एवं सभी की सहभागिता हेतु लगातार बैठकों का दौर जारी रहेगा। साथ ही साथ तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

कोरबा को स्वच्छता का ताज पहनाने की कवायद - ऊर्जाधानी कोरबा को देश का स्वच्छतम शहर बनाने एवं कोरबा को स्वच्छता का ताज पहनाने की कवायद के रूप में इस आयोजन को देखा जा सकता है। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने कालेज प्रबंधन व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ विचार विमर्श साझा करते हुए कहा कि जैसा कि हम सबको विदित है कि विगत स्वच्छ सर्वेक्षण की रैंकिंग में हमारे कोरबा ने देश में 08वॉ रैंक अर्जित किया था, जो हम सबके लिए प्रसन्नता व प्रेरणा का विषय रहा है किन्तु हमें यहीं नहीं रूकना है, बल्कि अभी और आगे जाना हैं, हमें इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना शेष है, स्वच्छता के प्रति लोगों को और अधिक जागरूक होने की जरूरत है।

कोरबावासियों में नई ऊर्जा का संचार करेगा यह रिकार्ड - आयुक्त श्री पाण्डेय ने आगे कहा कि महासंकल्प 2026 के बैनर तले स्वच्छता के संकल्प को लेकर हम जिस '' गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड '' को कोरबा की झोली में डालने का यह भगीरथ प्रयास कर रहे हैं, वह रिकार्ड कोरबावासियों में नई ऊर्जा का संचार करेंगा, उन्हें एक नई दिशा देगा, उनके स्वच्छता के संकल्प को, साफ-सफाई के प्रति उनके समर्पण भाव को बढाएगा, उनके इरादों को मजबूती देगा। उन्होने कहा कि कोरबा के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, संस्थाओं व यहॉ के नागरिकबंधुओं का कोरबा की स्वच्छता व साफ-सफाई में अपेक्षित सहयोग प्राप्त हो रहा है किन्तु इस सहयोग को और अधिक प्राप्त करने की जरूरत है।

सबकी सहभागिता से बनाएगें वर्ल्ड रिकार्ड - आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने ''गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड '' प्राप्त करने की प्रशासन की प्रतिबद्धता का इजहार करते हुए हमारा कोरबा शहर ने विकास के विभिन्न सोपानो पर कार्य करते हुए नित नई उपलब्धियों को अर्जित करने की क्षमता भी समय-समय पर दिखाई है, जब जरूरत पड़ी तो यहॉ के रहवासियों ने एकजुटता का परिचय दिया है तथा लक्ष्य को प्राप्त किया है।

## एचआईव्ही/एड्स जन जागरूकता अभियान पर बैठक सम्पन्न

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी डॉ.रविकान्त सिह राठौर के नेतृत्व में एचआईव्ही/एड्स जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम अंतर्गत इंटेसीफाईड आईईसी कैम्पेन के तहत जिले में सघन प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा हे इस अभियान के अंतर्गत एचआईव्ही/एड्स एवं एक्ट 2017 विषय इस अभियान के अंतर्गत इंटेंसीफाईड आईसी कैम्पेन के तहत जिले में सघन प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत एचआईव्ही/एड्स एवं एक्ट 2017 विषय पर हेल्थ केयर प्रोवाईडर एवं अन्य हॉस्पीटल स्टाफ के लिए बैठक का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। इस बैठक् का उद्देश्य सभी केयर प्रोवाईडर्स को एचआईव्ही/एड्स के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ टोल फ्री न. 1097 की जानकारी प्रदान करना है। इस नम्बर पर कोई भी कभी भी एचआईव्ही/एड्स से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकता है।


**कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा जिला-कोरबा (छ.ग.)**

क्रमांक / निर्माण / 2025-26/ 8460 कोरबा दिनाँक 29/01/26

**// द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना//**

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी अनुसूची दर पुस्तिका छ.ग. शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील दर पर ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर नीचे लिखे कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसकी अंतिम तिथि 16.02.2026 है।

| क्र. | कार्य का नाम | वि.ख. | निविदा राशि (लाख में) | अमानत राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | प्री.मै. अनुसूचित जाति बालक छात्रावास करतला का भवन निर्माण कार्य | करतला | 152.76 | 1,14,570/- |
| | | योग:- | 152.76 | |

नोट:-
1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2. ठेकेदार की श्रेणी "सी" क्लास या उससे उपर। टीप:- निविदा की शर्तें व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ में देखी जा सकती है।

जी-252606385/1 सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा

**कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा, जिला - कोरबा (छ.ग.)**

क्रमांक/निर्माण/2025-26/8428 कोरबा, दिनांक 28.01.26

**// निविदा निरस्तीकरण सूचना //**

कार्यालयीन ई - निविदा आमंत्रण सूचना पत्र क्रमांक 506 दिनांक 15.05.2025 के द्वारा आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी अनुसूची दर पुस्तिका छ.ग. शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील दर पर प्री मै. अनुसूचित जाति बालक छात्रावास करतला के भवन निर्माण कार्य हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रण सूचना का प्रकाशन किया गया था, जिसकी कुल लागत राशि रू. 152.76 लाख है, जिसे अपरिहार्य कारणो से निरस्त किया जाता है।

जी-252606337/1 सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा

राज्यपाल रमेन डेका ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया।

रायपुर। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के मंगलवार को एक दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुँचने पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम, गजेंद्र यादव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, संतोष पांडेय, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर, जिला पंचायत रायपुर के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी एवं सत्कार विभाग के प्रदेश संयोजक आकाश विग उपस्थित रहे।

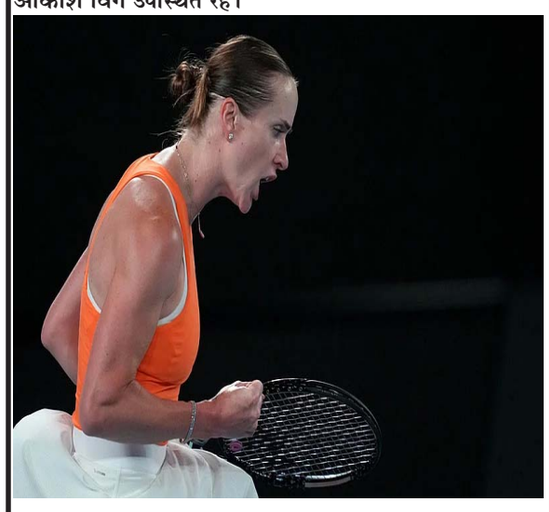

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस चैंपियनशिप में अपने क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना, अमेरिका की कोको गॉफ के खिलाफ मैच के दौरान प्रतिक्रिया देती हुई।

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस चैंपियनशिप में अपने क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान अमेरिका की कोको गॉफ यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को फोरहैंड रिटर्न मारती हुई।

झारखंड के 48 शहरी स्थानीय निकायों के लिए 23 फरवरी को होगा चुनाव, मतगणना होगी 27 फरवरी को ।

# अमेरिका में जमीन से आसमान तक बर्फीले तूफान का कहर, पांच हजार से ज्यादा उड़ानें रद, 28 की मौत

वाशिंगटन ,31जनवरी (एजेंसी)। अमेरिका अब तक के सबसे बड़े बर्फीले तूफान की चपेट में है। न सड़कों पर चलने की जगह रह गई है, न हवाई जहाजों को उड़ने का मौका मिल पा रहा है। अमेरिका में जिंदगी ठहर सी गई है। बाहर ठंड से आफत है, जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है, वहीं घरों में बिजली संकट की वजह से लोग ठिठुरने को मजबूर हैं। ठंड के प्रकोप से मंगलवार को 28 लोगों की मौत की भी खबर है। मौसम विभाग की तरफ से भी लोगों को खराब खबर मिल रही है, जो दावा कर रहा है कि अगले कुछ दिनों तक यही हालात बने रह सकते हैं। बर्फीले तूफान के ईस्ट कोस्ट से गुजरने के बाद आर्कटिक से आनेवाली ठंडी हवाओं का कहर बरपेगा। एविएशन एनालिटिक्स फर्म फ्लाइट अवेयर के मुताबिक मंगलवार को 5220 अमेरिकी उड़ानें रद करनी पड़ीं, जबकि 6500 से ज्यादा विलंब से अपने गंतव्य को रवाना हुईं। रविवार से अब तक 22 हजार से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुई हैं। बोस्टन में सबसे ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुई हैं। कुल नौ में से पांच एयरपोर्ट लगभग ठप हो चुके हैं। न्यू मेक्सिको से लेकर न्यू इंग्लैंड तक एक-एक फीट मोटी बर्फ की परत जमी हुई है। इससे सड़क पर चलना नामुमकिन हो गया है। बोस्टन और न्यूयार्क में शून्य दृश्यता की स्थिति है। एक्यूवेदर का अनुमान है कि बर्फीले तूफान ने 2025 की शुरुआत में लॉस एंजिलिस में जंगलों की आग से हुए नुकसान का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है।माना जा रहा है कि तूफान की वजह से 105 से 115 अरब डालर का आर्थिक नुकसान हुआ है। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने दावा किया है कि बुधवार तक सबकुछ सामान्य हो जाएगा। 18 राज्य बुरी तरह प्रभावित बर्फीले तूफान की वजह से कुल 28 लोगों की मौत के मामले सामने आए हैं।मैसाचुसेट्स और ओहायो में बर्फ हटानेवाली मशीन की चपेट में आने से दो लोग मारे गए। वहीं अरकांसस और टेक्सास में भयानक हादसे भी हुए। न्यूयार्क सिटी में आठ बेघर लोग ठंड की वजह से मारे गए। पावरआउटेज डॉट काम की रिपोर्ट है कि मध्य अटलांटिक से लेकर दक्षिण के राज्यों, मिसिसिपी, टेनेसी और लुइयाना में सात लाख घरों में बिजली ठप रही। ठंड से अमेरिका के 18 राज्य बुरी तरह प्रभावित हैं।कनेक्टिकट राज्य के गवर्नर नेड लामोंट ने पांच फरवरी तक राज्य में गंभीर शीतकालीन प्रोटोकाल लागू करने की घोषणा की है। जेनरेटर से चलाए जा रहे अस्पताल, गैस स्टेशनमिसिसिपी पिछले 30 साल का सबसे बुरे बर्फीले तूफान का सामना कर रहा है।गवर्नर टेट रीव्स ने लोगों तक जरूरी सामान पहुंचाने के लिए 500 नेशनल गार्ड सदस्यों की तैनाती की घोषणा की है। लोगों को गर्माहट दिलाने के लिए 30 काउंटियों में 61 केंद्र खोले गए हैं। फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी से 60 जेनरेटर मांगे गए हैं ताकि शेल्टर, नर्सिंग होम, अस्पतालों और वाटर सिस्टम को बिजली दी जा सके। तमाम जगहों पर पीने के पानी और नेचुरल गैस का भी संकट बढ़ गया है। राज्य की तरफ से चारपाइयां, कंबल, पैकेज्ड खाना और बोतलबंद पानी की भी आपूर्ति की जा रही है। गैस स्टेशनों को सक्रिय रखने के लिए और ग्रोसरी स्टोर खुले रखने के लिए भी जेनरेटर का सहारा लेना पड़ रहा है।कारों और होटलों में रहने को मजबूर लोग लोगों का कहना है कि वे माइनस 10 डिग्री सेल्सियत तापमान में युद्ध क्षेत्र में रहने जैसा अनुभव करने लगे हैं। थोड़ी-थोड़ी देर पर कहीं न कहीं बर्फ के दबाव से पेड़ गिरने से धमाके जैसी आवाजें आ रही हैं।कभी ट्रांसफार्मर फट जा रहे हैं। लोग रातों में सो नहीं पा रहे हैं और दिन में कहीं जा नहीं पा रहे। अधिकारियों के सामने आपात सेवाओं को सुचारु रखने की चुनौती है। बिजली न होने से घरों के भीतर भी जमा देनेवाली ठंड से परेशान लोग अपनी गाड़ियों में रातें गुजार रहे हैं। कुछ लोगों ने अपने घर छोड़कर होटलों में शरण ली है।

## अमेरिकी हमले के खौफ से बंकर में छिपे अयातुल्ला खामेनेई, सबसे छोटे बेटे को सौंप दी ईरान की कमान

तेहरान ,31 जनवरी । ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को लेकर एक बेहद संवेदनशील रिपोर्ट सामने आई है। अमेरिकी हवाई हमले की आशंका के चलते 86 वर्षीय खामेनेई तेहरान स्थित एक अभेद्य अंडरग्राउंड बंकर में चले गए हैं। ईरानी सेना के शीर्ष अधिकारियों ने खुफिया इनपुट के आधार पर उन्हें आगाह किया था कि अमेरिका कभी भी एयरस्ट्राइक कर सकता है। बताया जा रहा है कि यह बंकर कई गुप्त सुरंगों से जुड़ा हुआ है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में उन्हें सुरक्षित निकाला जा सके।बेटे मसूद खामेनेई के हाथ में अस्थायी कमान सुप्रीम लीडर के अंडरग्राउंड होने के साथ ही देश की सत्ता के ढांचे में भी बड़ा बदलाव किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, खामेनेई ने देश के रोजमर्रा के प्रशासनिक कामकाज की जिम्मेदारी अपने सबसे छोटे बेटे, 53 वर्षीय मसूद खामेनेई को सौंप दी है। मसूद फिलहाल सरकार के कार्यकारी अंगों और सत्ता के अन्य हिस्सों के बीच मुख्य संपर्क सूत्र की भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें अस्थायी तौर पर अहम फैसलों की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि ईरान किसी भी बुरी स्थिति के लिए तैयार हो रहा है।ट्रंप ने भेजा जंगी बेड़ा, हालात तनावपूर्णउधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक आदेश ने खाड़ी क्षेत्र में हलचल बढ़ा दी है। ट्रंप ने हाल ही में मिडिल ईस्ट की ओर अमेरिकी नौसेना की एक बड़ी फ्लीट तैनात करने का ऐलान किया था। इसी कड़ी में 'यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप', जिसमें तीन खतरनाक युद्धपोत शामिल हैं, हिंद महासागर से निकलकर फारस की खाड़ी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ट्रंप ने इसे ईरान के लिए एक सख्त चेतावनी बताया है।ईरान की दो टूक- हमला हुआ तो होगा 'जिहाद'अमेरिकी दबाव और जंगी बेड़े की तैनाती के बावजूद ईरान ने झुकने से साफ इनकार कर दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका या इजराइल ने उनके सुप्रीम लीडर पर हमला करने की हिमाकत की, तो इसे ईरान के खिलाफ सीधे तौर पर जंग का ऐलान माना जाएगा। वहीं, ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने और भी सख्त तेवर दिखाते हुए कहा है कि खामेनेई पर हमला होने की स्थिति में तुरंत 'जिहाद' का ऐलान कर दिया जाएगा।एक हफ्ते से दुनिया की नजरों से ओझलआमतौर पर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहने वाले अयातुल्ला खामेनेई 17 जनवरी के बाद से किसी भी मंच पर दिखाई नहीं दिए हैं। उन्होंने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर भी कोई पोस्ट नहीं किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस तारीख से बंकर में हैं, लेकिन उनकी गैरमौजूदगी ने अफवाहों को हवा दे दी है। इससे पहले जून में इजराइल के साथ हुए 12 दिनों के युद्ध के दौरान भी खामेनेई अंडरग्राउंड हो गए थे और अपनी मौत की आशंका को देखते हुए उत्तराधिकारियों की लिस्ट तैयार करवाई थी। अपने आखिरी संदेश में उन्होंने देश में चल रहे खूनी विरोध प्रदर्शनों के लिए विदेशी ताकतों को जिम्मेदार ठहराया था। गौरतलब है कि इन प्रदर्शनों में हजारों लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है।न्हें अस्थायी तौर पर अहम फैसलों की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि ईरान किसी भी बुरी स्थिति के लिए तैयार हो रहा है।ट्रंप ने भेजा जंगी बेड़ा, हालात तनावपूर्णउधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक आदेश ने खाड़ी क्षेत्र में हलचल बढ़ा दी है।

## ट्रंप की चेतावनी के बीच ब्रिटेन का बड़ा कदम

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने गुरुवार को दीर्घकालिक, स्थिर और व्यापक रणनीतिक साझेदारी विकसित करने पर सहमति जताई। चीन के साथ संबंधों को सुधारने के लिए स्टार्मर ऐसे समय बीजिंग पहुंचे, जब ब्रिटेन और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हैं। इस दौरे से ट्रंप की नाराजगी का जोखिम है, क्योंकि वह पहले से ही अमेरिका के सबसे करीबी देशों पर टैरिफ लगा रहे हैं और उनकी आलोचना कर रहे हैं।बीजिंग स्थित ग्रेट हाल ऑफ पीपल में दोनों नेताओं की यह बैठक करीब 80 मिनट चली। इस पर वाशिंगटन की विशेष नजर रही। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं।चिनफिंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को पिछले कुछ समय से गंभीर व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। चीनी राष्ट्रपति ने इस बयान के जरिये ट्रंप की अप्रत्याशित नीतियों पर परोक्ष प्रहार किया। जबकि स्टार्मर ने चिनफिंग के साथ बैठक को उपयोगी बताया और कहा, मुझे लगता है कि दुनिया के लिए चुनौतीपूर्ण दौर में जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करने की जरूरत है। 2018 के बाद चीन का दौरा करने वाले स्टार्मर ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री हैं। रॉयटर के अनुसार, मौजूदा दौर में राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस तरह की टैरिफ और कारोबारी नीतियां अपनाई है, उससे अमेरिका से उसके करीबी सहयोगी देशों के दूर होने का खतरा बढ़ गया है। ट्रंप के टैरिफ प्रेम के चलते वे व्यापार के लिए दूसरे विकल्प तलाशने लगे हैं।इसका ताजा उदाहरण है कि ईयू ने भारत के साथ व्यापार समझौता किया तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री चीन के दौरे पर पहुंचे हैं। हालांकि यह भी सच है कि वे अमेरिकी सैन्य शक्ति की जरूरत से लंबे समय तक दूर नहीं रह सकते।

## भारत-ईयू के बीच ट्रेड डील पर ट्रंप हो गए नाराज, यूरोप को ये सलाह देने लगा अमेरिका

न्यूयॉर्क ,31 जनवरी (एजेंसी)। भारत और यूरोपियन यूनियन (श्व) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को लेकर अमेरिका की नाराज़गी खुलकर सामने आ गई है। समझौते की औपचारिक घोषणा से पहले ही अमेरिका ने यूरोप को चेतावनी देते हुए आरोप लगाया है कि भारत के साथ स्नञ्ज पर आगे बढ़कर यूरोप अप्रत्यक्ष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को वित्तीय मदद पहुंचा रहा है।अमेरिकी ट्रेजरी सचिव (वित्त मंत्री) स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भले ही यूरोपीय देशों ने रूस से सीधे कच्चे तेल की खरीद में कटौती की हो, लेकिन अब वे भारत में रिफाइन किए गए रूसी तेल उत्पादों को खरीदने की तैयारी में हैं। इससे रूस को आर्थिक लाभ मिल रहा है और युद्ध को परोक्ष रूप से समर्थन मिल रहा है।बेसेंट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब भारत और यूरोपियन यूनियन ने लंबे समय से लंबित स्नञ्ज वार्ताओं को अंतिम रूप दे दिया है और इस समझौते की औपचारिक घोषणा मंगलवार को होने की संभावना है।अमेरिका का आरोपः बलिदान में असंतुलन अमेरिकी वित्त मंत्री ने इस पूरे मुद्दे को अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के बीच बलिदान के असंतुलन के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि एक ओर अमेरिका रूस के ऊर्जा कारोबार को कमजोर करने के लिए कड़े कदम उठा रहा है, वहीं दूसरी ओर यूरोप वैश्विक तेल व्यापार की खामियों का लाभ उठा रहा है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिसमें रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी शामिल है।स्कॉट बेसेंट ने दावा किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इस युद्ध के दौरान यूरोप की तुलना में कहीं अधिक आर्थिक और राजनीतिक बलिदान दिया है।हमने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। और पिछले सप्ताह क्या हुआ? यूरोप ने भारत के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। रूसी तेल भारत जाता है, वहां रिफाइन होता है और फिर वही उत्पाद यूरोप खरीदा जाता है। इस तरह यूरोप अपने ही खिलाफ चल रही जंग को फंड कर रहा है।अमेरिकी ट्रेजरी सचिव (वित्त मंत्री) स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भले ही यूरोपीय देशों ने रूस से सीधे कच्चे तेल की खरीद में कटौती की हो, लेकिन अब वे भारत में रिफाइन किए गए रूसी तेल उत्पादों को खरीदने की तैयारी में हैं। इससे रूस को आर्थिक लाभ मिल रहा है। समर्थन मिल रहा है।

## बांग्लादेश में चुनाव को लेकर अनिश्चितता बढ़ी, अमेरिकी भागीदारी कम होने से लोकतांत्रिक समर्थन हुआ कमजोर

वॉशिंगटन ,31 जनवरी। अमेरिका के एक सीनियर लॉमेकर ने कहा है कि बांग्लादेश के आने वाले चुनावों को लेकर अनिश्चितता बढ़ रही है। अमेरिका की भागीदारी कम होने से लोकतांत्रिक समर्थन कमजोर हो रहा है। इससे देश में राजनीतिक स्थिरता को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसका सीधा-सीधा असर भारत के क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल पर पड़ता है।सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष मार्क वार्नर ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया कि 12 फरवरी को बांग्लादेश में होने वाले आम चुनाव फ्री या निष्पक्ष होंगे या नहीं, इसके बारे में मुझे कुछ भी पता नहीं है।वार्नर ने कहा कि जमीन पर अमेरिका का असर कम हो गया है। ट्रंप प्रशासन द्वारा विकासशील देशों को आर्थिक विकास और मानवीय सहायता बंद करने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकन सॉफ्ट पावर और सहायता के खत्म होने से अब हमारे रिश्ते पहले जैसे नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के शॉर्ट-टर्म केयरटेकर के तौर पर उभरने के बाद हम सभी बदलाव की उम्मीद लगाए हुए थे। वह उम्मीद अब खत्म हो गई है। बांग्लादेश में युवाओं को राज करना मुश्किल लग रहा है।वार्नर ने कहा कि मुझे पक्का नहीं पता कि बांग्लादेश की तरफ से कितना गुस्सा है, क्योंकि मेरा मानना है कि पूर्व प्रधानमंत्री ने अभी भी भारत में शरण ली है। इससे क्षेत्रीय स्थिरता मुश्किल में है। हालांकि अनिश्चितता के बावजूद, मुझे बांग्लादेश में आजाद चुनाव की उम्मीद है।उन्होंने कहा कि बांग्लादेश राजनीति के अलावा भी कई दबावों का सामना कर रहा है, जिसमें गरीबी, आर्थिक तनाव और पर्यावरण के जोखिम प्रमुख हैं।वार्नर ने उग्रवाद पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हमने बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी विचारधारा को बहुत ज्यादा नहीं देखा है। अलग-अलग घटनाओं से देश की दिशा तय नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा, भारत एक खतरनाक पड़ोस में रहता है। बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान की चुनौती भारत में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं।सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि अमेरिका की ताकत सिर्फ उसकी मिलिट्री और बिजनेस से नहीं आई। दशकों तक, अमेरिका का असर विकास और लोकतंत्र बनाने की कोशिशों से भी आता रहा है। आप आर्थिक विकास और लोकतंत्र बनाने में कैसे मदद करते हैं, इस पर सॉफ्ट पावर ने एक बड़ी भूमिका निभाई।वार्नर ने कहा कि उन कार्यक्रमों में कटौती से बांग्लादेश जैसे देशों में अमेरिका का असर कम हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि सेंसिटिव पॉलिटिकल बदलावों के दौरान आपसी जुड़ाव में दूरी आ सकती है।उन्होंने कहा कि लगातार अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव जरूरी है। लोकतांत्रिक संस्थाओं को लंबे समय तक समर्थन की जरूरत है, न कि कभी-कभी ध्यान देने की। बांग्लादेश में हो रहे विकास दक्षिण एशिया में बड़े भूराजनीतिक कॉम्पिटिशन से भी जुड़े हैं। हाल के सालों में बांग्लादेश में बड़े राजनीतिक बदलाव हुए हैं। इसके चुनावों पर पड़ोसियों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों की करीबी नजर रहती है।भारत के लिए, बांग्लादेश में स्थिरता का सीधा असर पड़ता है। दोनों देशों के बीच एक लंबा बॉर्डर, गहरे व्यापार संबंध और पूर्वी इलाकों में माइग्रेशन और क्षेत्रीय असर से जुड़ी सुरक्षा चिंताएं हैं।ट्रंप प्रशासन द्वारा विकासशील देशों को आर्थिक विकास और मानवीय सहायता बंद करने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकन सॉफ्ट पावर और सहायता के खत्म होने से अब हमारे रिश्ते पहले जैसे नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के शॉर्ट-टर्म केयरटेकर के तौर पर उभरने के बाद हम सभी बदलाव की उम्मीद लगाए हुए थे। वह उम्मीद अब खत्म हो गई है। बांग्लादेश में युवाओं को राज करना मुश्किल लग रहा है।वार्नर ने कहा कि मुझे पक्का नहीं पता कि बांग्लादेश की तरफ से कितना गुस्सा है, क्योंकि मेरा मानना है कि पूर्व प्रधानमंत्री ने अभी भी भारत में शरण ली है। इससे क्षेत्रीय स्थिरता मुश्किल में है। हालांकि अनिश्चितता के बावजूद, मुझे बांग्लादेश में आजाद चुनाव की उम्मीद है।उन्होंने कहा कि बांग्लादेश राजनीति के अलावा भी कई दबावों का सामना कर रहा है, जिसमें गरीबी, आर्थिक तनाव और पर्यावरण के जोखिम प्रमुख हैं।

वार्नर ने उग्रवाद पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हमने बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी विचारधारा को बहुत ज्यादा नहीं देखा है। अलग-अलग घटनाओं से देश की दिशा तय नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, भारत एक खतरनाक पड़ोस में रहता है। बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान की चुनौती भारत में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं।सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि अमेरिका की ताकत सिर्फ उसकी मिलिट्री और बिजनेस से नहीं आई। दशकों तक, अमेरिका का असर विकास और लोकतंत्र बनाने की कोशिशों से भी आता रहा है। आप आर्थिक विकास और लोकतंत्र बनाने में कैसे मदद करते हैं, इस पर सॉफ्ट पावर ने एक बड़ी भूमिका निभाई।वार्नर ने कहा कि उन कार्यक्रमों में कटौती से बांग्लादेश जैसे देशों में अमेरिका का असर कम हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि सेंसिटिव पॉलिटिकल बदलावों के दौरान आपसी जुड़ाव में दूरी आ सकती है।उन्होंने कहा कि लगातार अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव जरूरी है। लोकतांत्रिक संस्थाओं को लंबे समय तक समर्थन की जरूरत है, न कि कभी-कभी ध्यान देने की। बांग्लादेश में हो रहे विकास दक्षिण एशिया में बड़े भूराजनीतिक कॉम्पिटिशन से भी जुड़े हैं। हाल के सालों में बांग्लादेश में बड़े राजनीतिक बदलाव हुए हैं। इसके चुनावों पर पड़ोसियों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों की करीबी नजर रहती है।भारत के लिए, बांग्लादेश में स्थिरता का सीधा असर पड़ता है।

## सम्पादकीय...

# बाल मन में नायक

राहों पर निकलते युगों की पहचान कर लें, तो भविष्य की यात्राएं सुखद रहेंगी। हिमाचल में सियासी तौर पर शिक्षा को सजाने के कई दरबार बन गए और जहां हाजिरी में सिर्फ भवन तसदीक हुए। ऐसा नहीं कि पढ़ाई के दौरान कई सफल चरित्र पहचान बन गए, लेकिन हमने कतारबद्ध डिग्रियों को सरकारी नौकरी के परचम से बांध दिया। हम या तो कर्मचारी राज्य बनते गए या सरकारी नौकरी की दरगाह में मानसिक कमजोरी से पहुंचने लगे। हमारे सामने शिक्षा की हिस्ट्री ने अल्पमत विश्वास, सरकारी रोजगार या अभिभावकों का करार चुन लिया। इसी तरह हिमाचल के उदाहरण बने और एक पीढ़ी ने ऐसी उपाधियां ओढ़ लीं जो सरकारी नौकरी की मोहनी सूरत और अपनी क्षमता की मृगतृष्णा में उलझ गए। इसी दौरान स्कूल-कालेजों से ऐसे बच्चे निकले जो डिग्रियों की औपचारिकता से कहीं दूर, अपनी सफलता के क्षितिज पर अलग-अलग विषयों में डंका बजाने लगे। क्या हमें याद है किस कालेज से कोई युवा फिल्म उद्योग तक कैसे पहुंचा। किसने संगीत के माहौल में कालेज के दिनों को कैसे बुना। मोहित चौहान को ही लें, तो धर्मशाला कालेज परिसर में चीड़ के पौधों के नीचे कब संगीत गूंजा या धौलाधार के साक्ष्यों ने विश्वास किया। शिमला की ओबोहवा में प्रिटि जिंटा ने सिने वर्ल्ड के डग भरे, तो कालेज की सखियों ने खुद को गौरवान्वित समझा। विक्रम बतरा ने पालमपुर के शैक्षणिक माहौल से उठकर सरहद पर नाम लिखने का बीड़ा उठाया, तो किसने सोचा होगा कि यह बच्चा डिग्रियों के कदमताल से ऊपर, देश का टीका लगाने के लिए अपने लहू का रंग इस्तेमाल करेगा। कहने का संदर्भ यह कि शैक्षणिक संस्थानों में पनपती उत्कंठा को समझने या इतिहास बनाने निकले युवाओं को याद करने की एक परंपरा होनी चाहिए। पिछली सरकार ने स्कूलों से निकले चेहरों को याद करने के लिए शुरुआत तो की, लेकिन इसे पूरा नहीं किया गया। ऐसे में आधी सदी या इससे भी अधिक समय गुजार चुकी तमाम शिक्षण संस्थाओं को अपने इतिहास का अध्ययन करना चाहिए। हम तात्कालिक अर्थों में व्यक्तित्व विकास के मुहावरे बनाते हैं, जबकि हमारे आसपास का मानव इतिहास प्रेरणाओं से भरा है। हर कालेज की परिधि में अगर कुछ साहित्यकार, पत्रकार, ब्यूरोक्रेट, अधिकारी, गायक और खिलाड़ी निकले हैं, तो उनकी उपलब्धियों के इतिहास का लेखाजोखा शैक्षणिक संस्थान को स्वर्णिम अक्षरों में लिखना चाहिए। स्कूलों के वार्षिक समारोह जिस रौनक के आदी हो गए हैं, वहां एक परिचय सफल उजालों से भी होना चाहिए। उस सोच की गुलामी से हिमाचल की प्रतिभा को मुक्त करने का वक्त आ गया है जो सरकार से असंभव उम्मीदों का वातावरण बनाए रखती है। जीवन की किश्ती अगर एक ही दिशा-एक ही लक्ष्य की ओर चलेगी, तो भंवर सिर्फ नजरअंदाज होंगे-फतह नहीं। स्कूलों में हर बच्चे के भीतर 'एक नायक मन' है। उसकी सृजनशीलता के ताबूत पर अभिभावकों के ताले, स्कूली पाठ्यक्रम के हस्ताक्षर और सियासी लक्ष्यों के फासले लिख दिए जाते हैं। आश्चर्य तो यह कि विश्वविद्यालय भी सियासी आडंबर में खुद को समायोजित करते रहते हैं। हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन की परिपाटी, सोच की दिशा, शोध की परिकल्पना और आशाओं का सवेरा लाने के लिए शैक्षणिक परिसर के उद्गार बदलने होंगे। प्रदेश का भाषा-संस्कृति विभाग के प्रकाशन बाल मन में नायकत्व पैदा करने की पुस्तकें प्रकाशित करे। प्रदेश के पुराने स्कूल-कालेजों पर केंद्रित साहित्य, प्राचीन शहरों और गांवों के इतिहास पर लिटरेचर सामने आए तो हम ज्ञात अनुभूतियों से ऊपर अपने गौरव की पाठशाला में बच्चों के निश्चय व निर्णायक आभा को बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के लिए जोराबर सिंह, बजीर राम सिंह पठानिया या पहाड़ी गांधी कांशीराम सरीखे नायकों पर नाटकों का मंचन करें या पाठ्य पुस्तकों के प्रवाह में हिमाचल के सफल चरित्रों का वर्णन करें, तो एक आशा व प्रेरणावादी माहौल जरूर बनेगा।

# शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते।

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को 'समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है।

शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया।

यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया, यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना। देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों।

( यह लेखक के अपने विचार है )

# एक भारत, एक कानून की नीतिगत कसौटी के सियासी निहितार्थ

**कमलेश पांडे**

यह ठीक है कि इस राह में कई संरचनात्मक बाधाएं हैं, लेकिन राष्ट्र के दूरगामी भविष्य के लिए इन कपोलकल्पित बाधाओं, वैधानिक जटिलताओं से निबटना भी तो सकारात्मक और आशावादी नेतृत्व की पहचान होती है। खासकर मोदी हैं तो मुमकिन है, वाली सोच यहां भी चरितार्थ की जा सकती है।

विभिन्न तरह के पारस्परिक विरोधाभासों से जूझ रहे भारतीय गणतंत्र के लिए 'एक भारत, एक कानून' की अवधारणा बदलते वक्त की मांग है। इसलिए इसको सरजमीं पर उतरना बेहद जरूरी है। सवाल है कि जब एक मतदाता, एक वोट का विधान सफल हो सकता है तो फिर एक भारत, एक कानून का विधान क्यों नहीं? इस बात में कोई दो राय नहीं कि ऐसी सकारात्मक कोशिशें अंततोगत्वा समतामूलक समाज की दिशा में निर्णायक साबित हो सकते हैं।

लिहाजा यदि भारतीय संविधान के संघीय ढांचे और अन्यान्य विविधताओं को बनाए रखने वाले नानाविध प्रावधानों से 'एक देश, एक कानून' की पावन और समदर्शी सोच टकराती है तो ऐसे किसी भी टकराव को नजरअंदाज कीजिए और एक समान नागरिक संहिता ( ष्ट्ट ) या एकसमान कानूनी व्यवस्था की दिशा में एक यथार्थपरक व्यवहारिक कदम उठाइए। इससे दलित, आदिवासी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, सवर्ण जैसे निरर्थक भेद भी मिटेंगे और राष्ट्र को अप्रत्याशित मजबूती मिलेगी।

यह ठीक है कि इस राह में कई संरचनात्मक बाधाएं हैं, लेकिन राष्ट्र के दूरगामी भविष्य के लिए इन कपोलकल्पित बाधाओं, वैधानिक जटिलताओं से निबटना भी तो सकारात्मक और आशावादी नेतृत्व की पहचान होती है। खासकर मोदी हैं तो मुमकिन है, वाली सोच यहां भी चरितार्थ की जा सकती है। योगी हैं तो यकीन भी किया जा सकता है। शाह हैं तो चिल्लपों भी नहीं मचेगा, ऐसा जनविश्वास है।

जहां तक संघीय ढांचे की चुनौतियों की बात है तो भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में विधायी शक्तियों का त्रिपक्षीय विभाजन ( केंद्र, राज्य, समवर्ती ) एक देश, एक कानून की राह का एक बड़ा रोड़ा समझा जाता है। उदाहरणतया पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि जैसे विषय राज्य सूची में हैं, जिनमें केंद्र का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं होगा बिना संशोधन के। क्योंकि संविधान का अनुच्छेद 246 इस विभाजन को मजबूत बनाता है, जो एकसमान कानून लागू करने में राज्यों की सहमति या संविधान संशोधन की मांग करता है।

वहीं, मौलिक अधिकारों का टकराव भी संभाव्य है, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 25-28 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं, जो व्यक्तिगत कानूनों ( पर्सनल लॉ ) को संरक्षण प्रदान करते हैं। वहीं, यूनिफॉर्म सिविल कोड को अनुच्छेद 44 के नीति-निर्देशक तत्व के रूप में रखा गया है, लेकिन यह बाध्यकारी नहीं है और मौलिक अधिकारों से टकरा सकता है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लागू करने पर जोर दिया है ( जैसे शाह बानो मामले में ), लेकिन संघीय विविधता और अल्पसंख्यक अधिकारों के नाम पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी इस राह की सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है।

वहीं, व्यावहारिक और न्यायिक अड़चनों की बात भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि एकीकृत न्यायपालिका ( अनुच्छेद 214 ) होने के बावजूद, राज्यों में उच्च न्यायालयों की स्वायत्तता और लंबित मामलों ( 5 करोड़ से अधिक ) की भारी संख्या एकसमान कानून के कार्यान्वयन को जटिल बनाती है। इसके अलावा, संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन की प्रक्रिया में राज्यों की सहमति जरूरी हो सकती है, जो राजनीतिक मतभेदों से अवरुद्ध रहती है।

जहां तक संभावित प्रभाव की बात है तो ये अड़चनें वास्तव में संविधान की विविधता-समर्थक भावना को दर्शाती हैं, जो एकता के साथ बहुलवाद को संतुलित रखती हैं। हालांकि, डिजिटल युग में एकसमान कानून आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन बिना व्यापक सहमति के यह संघीय तनाव भी पैदा कर सकता है। इसलिए केंद्र सरकार और उसकी राज्य सरकारों को इस बाबत आम सहमति तैयार करने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि एक भारत, एक कानून में ही न केवल देश, बल्कि दुनिया का भी हित निहित, अंतर्निहित है।

देखा जाए तो समान नागरिक संहिता, भारतीय संविधान की मौलिक व्यवस्था पर ज्यादातर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, खासकर समानता के अधिकार को मजबूत करके, लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता जैसे क्षेत्रों में यह टकराव पैदा कर सकता है। हालांकि, धर्म के आधार पर बंटवारे के बाद यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है बल्कि राजनीतिक कमजोरी का प्रतीक है। यह ठीक है कि संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत यह नीति-निर्देशक सिद्धांत राज्य को एकसमान नागरिक कानून बनाने का प्रयास करने को कहता है, जो मौलिक अधिकारों से जुड़ता है। जहां तक समानता अधिकारों पर प्रभाव की बात है तो यूसीसी संवैधानिक अनुच्छेद 14 ( विधि के समक्ष समानता ) और 15 ( भेदभाव निषेध ) को मजबूत बनाएगा, क्योंकि यह धर्म-आधारित व्यक्तिगत कानूनों को हटाकर लैंगिक न्याय सुनिश्चित करेगा। इसी के द्वारा तीन तलाक, असमान उत्तराधिकार जैसे मुद्दों का सम्यक समाधान हो सकता है, जो महिलाओं के अनुच्छेद 21 ( जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार ) को प्रभावित करते हैं। हालांकि, यदि गलत तरीके से लागू हुआ तो यह अल्पसंख्यकों के बीच भेदभाव का आरोप लगा सकता है।

( यह लेखक के अपने विचार है )

## जीवन मुक्ति का सूत्र

बाबा हरदेव

यदि हम यह समझौता न करें, तो इन सब का मूल्य क्षणभर में काफूर हो जाता है। संसार और इसकी वस्तुओं का मोह त्याग करने का एकमात्र सूत्र है कि इनको केवल व्यवहार समझकर इनका यथायोग्य उपयोग किया जाए, क्योंकि इनमें कुछ भी परमार्थक नहीं है। यह तो केवल मध्य स्थित सत्ता या फिर केवल व्यवहार की सच्चाई है। अब यह भी एक अटल सच्चाई है कि मनुष्य का स्वभाव आजादी है। यह अशरफ-उल-मखलूकात है, ईश्वर का अंश है परंतु इसके अधिकतर तनाव विशेषकर मानसिक तनाव इसके अपने ही स्वभाव से संघर्ष का परिणाम है। मनुष्य की अकसर चिंताएं इसकी स्वयं की ही जात से लडऩे की चिंताएं हैं और मजे की बात यह है कि वह अपने से ही लगातार लड़ता चला आ रहा है परंतु जीत नहीं पाया। आध्यात्मिक जगत में हर ऐसी अवस्था को जो हमारी चिंता बंदिश और कैद का कारण मालूम देती है, इसे हर सुख में खुलासी प्राप्त करने की युक्ति और सबसे बढक़र जीवन मुक्ति का नाम दिया जाता है। अब प्रश्न पैदा होता है कि जीवन मुक्ति का सूत्र कहां से, किससे और किस प्रकार प्राप्त किया जाए ताकि इस मूल की भूल को सुधारा जा सके। इस महत्त्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर धर्मग्रंथों में महात्माओं ने जगह-जगह दे रखा है।

मूक जाएगा मरना जमना ना आवें न जावेंगा।
अवतार गुरु दे चरण जे पूजें जीवन मुक्ति पावेंगा।

इसीलिए जीवन मुक्ति की प्राप्ति के लिए सद्गुरु की शरण आवश्यक है क्योंकि जो मनुष्य काम मुख बना हुआ है, मुर्शद की अपार कृपा से वह राम सुख बन सकता है। इसे पूर्ण सद्गुरु से परमपिता परमात्मा की जानकारी प्राप्त करके जगत में केवल व्यवहार करने का पता चल जाता है। मनुष्य परिवर्तित मार्ग अपनाने में और भक्ति मार्ग पर चलने में कुशल हो जाता है कि त्यागते हुए भोगो और भोगते हुए त्यागो। पवित्र गुरबाणी के फरमान के अनुसार जोर ना जुगति छुटे संसार वाली बात बन जाती है। सद्गुरु के द्वारा आत्मा रूप हंस विवेक से काम लेते हुए माया रूपी जल और नाम रूपी दूध को अलग-अलग करने में समर्थ हो जाता है।

सद्गुरु की कृपा से अविनाशी प्रभु की शरण में आने के पश्चात मनुष्य को संसार के सभी रंग फीके लगते हैं और वह जीवन मुक्ति के रहस्य को भली प्रकार से जानने लग जाता है। इसकी जीवात्मा संसार की वस्तुओं के बंधनों से आजाद होकर अपनी फितरत के लाफानी तजल्लीजार में आबाद हो जाती है और मौलाना इकबाल के शब्दों में हर प्राणीमात्र को यह संदेश देने में जुट जाती है।

करम के नादां तौआफे शमां से आजाद हो।
अपनी फितरत के तजल्लीदार में आबाद हो।

प्रबुद्ध पुरुष कृत्यों की बहुत चिंता नहीं करते, यह तो सदा उस कृत्य के अंदर छिपे भाव को ही महत्त्व देते हैं। उदाहरण के तौर पर देखें तो एक मां भी कभी-कभी अपने बच्चे को अधिक शरारत करने पर चांटा मारती है, परंतु मां का यह मारना अलग तरह का है।

# हिमालय क्षेत्र की बर्बादी से नेताओं को नहीं कोई सरोकार

**योगेंद्र योगी**

इसी तरह, कुल्लू, मंडी, शिमला और चंबा जैसे प्रमुख सेब उत्पादक इलाकों में भी बर्फबारी लगभग न के बराबर हुई है। इस वजह से जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ी हैं। इस पूरे परिदृश्य को अब पर्यावरण प्रदूषण से जोड़कर देखा जा रहा है। देहरादून, ऋषिकेश और हल्द्वानी जैसे शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स बार-बार बेहद खराब श्रेणी में पहुंच रहा है।

देश के राजनीतिक दल देश के लोगों के लिए कितने गैरजिम्मेदार हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हिमालय क्षेत्र में शोध पर आधारित दो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय जानकारी के बारे में किसी ने चिंता तक जाहिर नहीं की। इन रिपोर्टों में सर्दी के मौसम में हिमालय क्षेत्र जंगलों में लगने वाली आग के कारण और भूस्खलन के नए केंद्रों की जानकारी दी गई है। दरअसल ऐसी जानकारियों को गंभीरता से लेने पर राजनीतिक दलों के वोट बैंक में इजाफा नहीं होता। यही वजह है अत्यंत संवेदनशील और आम जन—जीवन को प्रभावित करने वाले पर्यावरण जैसे मुद्दे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में जगह नहीं पाते हैं।

फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि इस बार सर्दियों का मौसम शुरू होने के बाद 1 नवंबर से अब तक उत्तराखंड में देश में सबसे अधिक 1,756 फायर अलर्ट दर्ज किए गए हैं। यह संख्या महाराष्ट्र ( 1,028 ), कर्नाटक ( 924 ), मध्य प्रदेश ( 868 ) और छत्तीसगढ़ ( 862 ) जैसे उन राज्यों की तुलना में काफी ज्यादा है, जो पारंपरिक रूप से जंगल में आग के मामले में अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। आमतौर पर दिसंबर जंगल में आग के लिहाज से सबसे शांत महीना माना जाता है, लेकिन पिछले तीन सालों में उत्तराखंड के लिए यह धारणा गलत साबित हुई है। दिसंबर में उत्तराखंड में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई। जंगल की जमीन में नमी का लेवल बहुत कम है। उत्तराखंड की तरह, हिमाचल में भी पिछले साल अक्टूबर के पहले सप्ताह से कोई बारिश नहीं हुई थी।

इसी तरह, कुल्लू, मंडी, शिमला और चंबा जैसे प्रमुख सेब उत्पादक इलाकों में भी बर्फबारी लगभग न के बराबर हुई है। इस वजह से जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ी हैं। इस पूरे परिदृश्य को अब पर्यावरण प्रदूषण से जोड़कर देखा जा रहा है। देहरादून, ऋषिकेश और हल्द्वानी जैसे शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स बार-बार बेहद खराब श्रेणी में पहुंच रहा है। देहरादून में तो कई बार यह इंडेक्स 300 के पार जा चुका है, जो सीधे तौर पर लोगों की सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है। उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण बोर्ड की ओर से कराए गए एक अध्ययन ने चिंता और बढ़ा दी है। रिपोर्ट में सामने आया कि पर्यावरण प्रदूषण में फॉरेस्ट फायर की भूमिका 15 से 20 प्रतिशत तक है, जो कि बेहद गंभीर आंकड़ा है।

उत्तराखंड का हिमालयी भूगोल, जलवायु परिवर्तन और तेज विकास की दौड़ मिलकर राज्य के लिए बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों में राज्य में तेज गति से सड़क निर्माण और बड़े बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स हुए हैं। इसका परिणाम यह निकला कि चारधाम यात्रा रूट के आसपास लगभग 100 नए भूस्खलन क्षेत्र पैदा हो गए। पहले से मौजूद संवेदनशील जोन भी और अधिक खतरनाक हो गए हैं। चारधाम यात्रा और पर्यटन उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन तेजी से निर्माण कार्यों ने पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना को कमजोर किया है। सड़क और हाइड्रो प्रोजेक्ट्स के लिए बड़े पैमाने पर ब्लास्टिंग की गई, भारी मशीनरी का उपयोग हुआ, जंगलों का व्यापक कटान किया गया। इन सभी वजहों से पुराने भूस्खलन क्षेत्र सक्रिय हुए और नए भूस्खलन क्षेत्र भी बन गए। उत्तराखंड के नेशनल हाईवे नेटवर्क पर करीब 400 भूस्खलन स्थल चिन्हित किए गए हैं।

उत्तराखंड में मानसून सीजन में हर साल प्राकृतिक आपदाओं से भारी नुकसान होता है। साल 2025 के मानसून सीजन में अब तक उत्तराखंड में रिकॉर्ड बारिश हुई है। उत्तराखंड में 2016 से 25 तक प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिसमें हजारों लोगों की जान गई है। पिछले 11 वर्षों में 27,197 प्राकृतिक घटनाएं हुई हैं, जिनमें अतिवृष्टि और भूस्खलन की घटनाएं प्रमुख हैं। साल 2025 में सबसे अधिक घटनाएं दर्ज हुईं, जिसमें 720 लोगों की मौत और 1207 लोग घायल हुए थे। इन 11 सालों के आंकड़े में केदारनाथ की साल 2013 में 16 और 17 जून को आई प्राकृतिक आपदा के आंकड़े नहीं जोड़े गए हैं। उस दौरान अकेले केदारनाथ में ही 4400 से ज्यादा लोग या तो लापता हो गए थे या फिर मारे गए थे। हिंदुकुश हिमालय का इलाका भारत, चीन, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और बांग्लादेश तक फैला हुआ है। यहां गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी 11 बड़ी नदियां बहती हैं। वसंत के महीने में बर्फ पिघलने से ही इन नदियों को पानी मिलता है। लगभग 17 प्रतिशत आबादी पीने के पानी की जरूरतें पूरी करने के लिए सीधे तौर पर इससे जुड़ी हुई है। इसी पानी का उपयोग सिंचाई और हाइड्रोपावर के लिए भी किया जाता है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण हिंदुकुश हिमालय क्षेत्र के तापमान में वैश्विक औसत से 0.74एष्ट अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही साल 2003 से 2020 तक हिमालय के अधिकांश हिस्सों में बर्फ से घिरे इलाकों में गिरावट देखी गई। पहले यहां औसतन 102 दिनों तक बर्फ रहती थी। अब हर दस साल में पांच दिन कम हो रहे हैं।

भारत के मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभों के कमजोर होने से पिछले साल दिसंबर में उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में न के बराबर बर्फ गिरी। गढ़वाल में इस साल जनवरी में बर्फबारी का अभाव देखा गया। ऐसा पिछले 40 सालों में पहली बार हुआ है। कम हिमपात के चलते जटामांसी और कुटकी जैसी महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक जड़ीबूटियां विलुप्त हो रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में स्नो ड्रॉट या 'बर्फ का सूखा' जैसी स्थिति बन रही है। विशेष रूप से 3,000 से 6,000 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यह प्रभाव सबसे अधिक देखा गया है।

हिमाचल प्रदेश में बेलगाम विकास से पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर सुप्रीम कोर्ट चिंता जता चुका है। कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो हिमाचल एक दिन नक्शे से गायब हो जाएगा। कोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से जवाबतलब किया। कोर्ट ने कहा कि हिमाचल में भूस्खलन, बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाएं मानव निर्मित हैं। बिना वैज्ञानिक अध्ययन के फोर लेन रोड बन रहे हैं और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट लग रहे हैं। उनके लिए पेड़ काटे जा रहे हैं। पहाड़ों को बारूद से उड़ाया जा रहा है। सिर्फ राजस्व कमाना सब कुछ नहीं। पर्यावरण के विनाश की कीमत पर ऐसी कमाई हिमाचल के अस्तित्व को ही खत्म कर देगी। आश्चर्य की बात यह है कि राजनीतिक दलों को जो काम करना चाहिए उसे सुप्रीम कोर्ट को करना पड़ रहा है। अभी भी वक्त है हिमालय क्षेत्र के पर्यावरण की यदि सुध नहीं ली गई कि तो भविष्य में ज्यादा गंभीर दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे।

( यह लेखक के अपने विचार है )

## भजनपुरा में छह साल की बच्ची से ३ नाबालिगों ने किया दुष्कर्म, दो पकड़े गए, एक फरार

पूर्वी दिल्ली, 31 जनवरी [ एजेंसी ]। भजनपुरा इलाके में छह साल की बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिगों को पकड़ा है। उनकी उम्र 10 व 12 वर्ष है। 14 वर्षीय नाबालिग की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रह रही है।वारदात से परिवार व हिंदू संगठनों में नाराजगी है। भजनपुरा थाना ने सामूहिक दुष्कर्म व पाक्सो का केस दर्ज किया है। मंगलवार को हिंदू संगठनों ने इस मामले में घोंडा में प्रदर्शन किया। आरोपित व नाबालिग अलग-अलग समुदाय से हैं।पीड़ित परिवार भजनपुरा थाना क्षेत्र में रहता है। पीड़िता के पिता कामगार हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में परिवार ने बताया कि 13 जनवरी को छह वर्षीय उनकी बेटी गली में खेल रही थी। उसी दौरान उसी गली में रहने वाले दो नाबालिग आए और बहाने से उसे अपने साथ एक कारखाने में ले गए।कारखाने में पहले से ही उनका तीसरा साथी मौजूद था। बच्ची रोते हुए अपने घर पर पहुंची और मां को वारदात के बारे में बताया। परिवार ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने अभिभावकों की शिकायत पर आरोपित नाबालिगों के खिलाफ केस दर्ज किया। दो नाबालिगों को पकड़ लिया ।दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2025 से लेकर अगस्त के बीच दिल्ली में दुष्कर्म के 92 केस नाबालिगों के खिलाफ दर्ज हुए। इन केस में पुलिस ने 101 नाबालिगों को पकड़ा है। 157 लूट और डकैती नाबालिग शामिल रहे। जबकि 101 हत्या में नाबालिग शामिल थे। हत्या की कोशिश में 161 नाबालिग थे।

# ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने का संकल्प: नवीन जायसवाल बोले- मोदी सरकार कर रही निरंतर प्रयास

गुमला,31 जनवरी ( एजेंसी )। भारतीय जनता पार्टी गुमला जिला इकाई के तत्वावधान में मंगलवार को स्थानीय अरमई स्थित स्वर्णभूमि बैंक्वेट हाल में विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन ( ग्रामीण ) को लेकर जिला स्तरीय सम्मेलन सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष सागर उरांव ने की। कार्यक्रम की शुरुआत डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण तथा वन्दे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुई। मुख्य वक्ता के रूप में हटिया विधानसभा के विधायक नवीन जायसवाल उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही



है। विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और किसानों को रोजगार, स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

विशिष्ट अतिथि बरकट्ठा विधायक अमित यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के अवसर सृजित कर ही पलायन को रोका जा सकता है।यह मिशन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मौके पर भैरो सिंह खेरवार, जिप अध्यक्ष किरण माला बाड़ा, संदीप प्रसाद, रविन्द्र सिन्हा, पूर्व विधायक कमलेश उरांव, प्रदेश मंत्री मुनेश्वर साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष विनय लाल ,सविन्द्र पायल तिवारी, रामेश्वरी उरांव,शकुंतला उरांव समेत अन्य मौजूद थे।

## ऊर्जा मंत्री विज बोले बिजली हर नागरिक की बुनियादी आवश्यकता बनेगी

चंडीगढ़ ,31जनवरी ( एजेंसी )। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि बिजली आम नागरिक की बुनियादी आवश्यकता बने और प्रत्येक घर तक निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। उन्होंने बताया कि राज्य में एटी एंड सी लॉस 30.3 प्रतिशत से घटकर 9.97 प्रतिशत रह गया है, जो ऊर्जा क्षेत्र में बड़े सुधार को दर्शाता है। म्हारा गांव जगमग गांव योजना के तहत प्रदेश के 6,019 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा चुकी है।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि यमुनानगर में 800 मेगावाट की अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल बिजली इकाई की आधारशिला 14 अप्रैल 2025 को रखी गयी थी। इसके अतिरिक्त पानीपत और हिसार के खेड़ड़ में 800-800 मेगावाट क्षमता के नये बिजली संयंत्र प्रस्तावित हैं, जिससे भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर रूफटॉप लगाने पर 30 हजार से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। अब तक राज्य में 37,308 सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाये जा चुके हैं।परिवहन क्षेत्र पर बोलते हुए श्री विज ने कहा कि परिवहन केवल यात्रा का साधन नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है। राज्य परिवहन के बस बेड़े को 4,500 से बढ़ाकर 5,300 करने की स्वीकृति दी गयी है। इसके तहत 375 एसी इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की जाएगी। इसके अलावा पीएम ई-बस सेवा परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के 10 शहरों में 450 नयी इलेक्ट्रिक बसें चलायी जाएंगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की याद भी दिलाता है। उन्होंने नागरिकों से संविधान के मूल्यों को आत्मसात करते हुए

## फाइव डे वर्किंग की मांग को लेकर सरकारी बैंकों की देशव्यापी हड़ताल, कामकाज प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली ,31 जनवरी ( एजेंसी )। देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के चलते मंगलवार को सरकारी बैंकों का कामकाज प्रभावित हो सकता है। बैंक कर्मचारी फाइव डे वर्किंग की मांग कर रहे हैं। हालांकि, निजी बैंक इस हड़ताल से प्रभावित नहीं होंगे। कई सरकारी बैंकों ने पहले ही स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दे दी है कि हड़ताल की वजह से बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ सकता है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स ( यूएफबीयू ) ने इस देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। यह संगठन नौ बैंक यूनियनों का संयुक्त मंच है, जो सरकारी बैंकों के अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है। यह फैसला 23 जनवरी को मुख्य श्रम आयुक्त के साथ हुई बैठक में कोई समाधान न निकलने के बाद लिया गया था।

## कानपुर में बोतलबंद पानी के खेल पर प्रशासन का हथौड़ा, 26 पानी प्लांटों पर छापेमारी से मचा हड़कंप



कानपुर, 31 जनवरी [ एजेंसी ]। अगर आप बोतलबंद या पाउच में पैक पानी पी रहे हैं तो एक बार उसकी गुणवत्ता के बारे में जरूर सोचिएगा। प्रशासन की टीम ने पानी पैकिंग प्लांटों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां पकड़ी हैं। इनमें पैकिंग स्थल के आसपास गंदगी के साथ अल्ट्रावायलेट सिस्टम नहीं मिला।इस सिस्टम से पानी को गुजारते ही उसकी कमियां कंप्यूटर स्क्रीन पर दिखती हैं। मंगलवार को प्रशासन की टीम ने दिनभर में 26 यूनिटों का निरीक्षण किया, जिसमें 10 यूनिटें बंद मिलीं जबकि कमियों के आधार पर चार केंद्रीय लाइसेंस प्राप्त यूनिटों के लाइसेंस निलंबन की संस्तुति कर केंद्रीय अनुज्ञप्ति प्राधिकारी को पत्र भेजा गया है। वहीं चार राज्य स्तरीय लाइसेंस प्राप्त यूनिटों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीमों ने जांच अभियान चलाया। पनकी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मेसर्स प्रभु कृपा एंटरप्राइजेज, यशोदा नगर स्थित केएस टेस्टी ड्रिंक्स एंड रिफ्रेशमेंट साल्यूशन, गोविंद नगर स्थित संतोषा इंडस्ट्रीज तथा हंसपुरम नौबस्ता स्थित सत्यम इंटरप्राइजेज के राज्यस्तरीय लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। इसके अलावा केंद्रीय लाइसेंस प्राप्त उद्योगकुंज पनकी स्थित मेसर्स डैडीज इंटरप्राइजेज, इस्पात नगर पनकी स्थित मेसर्स प्रयाग पैकर्स, रूमा स्थित मेसर्स विवान इंटरप्राइजेज तथा सचेंडी स्थित मेसर्स एचडी ड्रिंक्स एंड ब्रेवरेजेस के केंद्रीय लाइसेंस निरस्तीकरण की संस्तुति की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि मानकों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# 12 फरवरी को देशव्यापी बिजली हड़ताल

रांची, 31 जनवरी [ एजेंसी ]। देशभर के राज्य विद्युत निगमों, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ( सीईए ), दामोदर घाटी निगम ( डीवीसी ) और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में कार्यरत बिजली अभियंताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने बिजली क्षेत्र के निजीकरण और प्रस्तावित इलेक्ट्रिसिटी ( अमेंडमेंट ) बिल 2025 के खिलाफ 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है। फेडरेशन का दावा है कि यदि सरकार ने अपने रुख में बदलाव नहीं किया तो इस हड़ताल के कारण देशभर में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इस संबंध में फेडरेशन ने केंद्र सरकार को औपचारिक नोटिस सौंप दिया है। हड़ताल की घोषणा करते हुए फेडरेशन





के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि यह आंदोलन लाखों बिजली अभियंताओं और कर्मचारियों के गहरे असंतोष और चिंता की अभिव्यक्ति है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियां सार्वजनिक बिजली क्षेत्र को क्रमशः कमजोर कर रही हैं। दुबे ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि संसद के बजट सत्र के दौरान इलेक्ट्रिसिटी ( अमेंडमेंट ) बिल 2025 को पेश किया गया तो देशभर के बिजली कर्मचारी 'लाइटनिंग एक्शन' के तहत कार्यस्थल छोड़कर व्यापक जन आंदोलन शुरू करेंगे।

चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि बिजली देश की अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग और ग्रामीण जीवन की रीढ़ है। उनके अनुसार इलेक्ट्रिसिटी ( संशोधन ) बिल 2025 और राष्ट्रीय विद्युत नीति 2026 सस्ती बिजली, सार्वजनिक स्वामित्व, संघीय ढांचे और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा हमला हैं।

उन्होंने वितरण क्षेत्र में मल्टी लाइसेंसिंग, जबरन स्मार्ट मीटरिंग, ट्रांसमिशन में पीपीपी और टीबीसीबी माडल, संचालन के आउटसोर्सिंग तथा नौकरियों के ठेकेदारीकरण को बिजली व्यवस्था के लिए घातक बताया ।फेडरेशन ने इलेक्ट्रिसिटी ( अमेंडमेंट ) बिल 2025 को तत्काल वापस लेने, राष्ट्रीय विद्युत नीति को निरस्त करने और बिजली निगमों के निजीकरण पर पूर्ण विराम लगाने की मांग की है। इसके साथ ही स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग योजना वापस लेने, संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती, पुरानी पेंशन योजना की बहाली

कार्यस्थल छोड़कर व्यापक जन आंदोलन शुरू करेंगे।

## कोलकाता में भीषण अग्निकांड में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 16, सरकार ने की आर्थिक सहायता की घोषणा

कोलकाता, 31जनवरी [ एजेंसी ]। कोलकाता के आनंदपुर के नाजीराबाद में एक प्रसिद्ध मोमो चेन के कारखाने और डेकोरेटर के गोदाम में लगी भीषण आग की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है तथा 10 लोग अब भी लापता हैं। स्वजन ने स्थानीय थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सोमवार तड़के लगी इस आग में कल आठ लोगों के शव बरामद हुए थे। मंगलवार को आठ और शव बरामद हुए। राज्य सरकार ने मृतकों के स्वजन को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। दो गोदामों में भारी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग तेजी से फैली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लपटें इतनी भयावह थीं कि अंदर फंसे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। समाचार लिखे जाने तक मंगलवार को भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। स्थानीय लोगों और प्रशासन को अंदेशा है कि मलबे के नीचे दबे होने के कारण मृतकों की संख्या में अभी और इजाफा हो सकता है। मंगलवार सुबह जब फोरेंसिक टीम और अधिकारी अंदर पहुंचे तो मंजर खौफनाक था। बरामद किए गए शव इस कदर झुलस चुके थे कि उनकी पहचान करना असंभव है। प्रशासन ने डीएनए और फोरेंसिक जांच के लिए अवशेषों को लैब भेजा है।हादसे के करीब डेढ़ दिन बाद मंगलवार को दमकल मंत्री सुजीत बोस और विभाग के महानिदेशक ( डीजी ) रणबीर कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। दमकल मंत्री के देरी से पहुंचने पर स्थानीय लोगों और भाजपा समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा।

मोयना से भाजपा विधायक अशोक ड्क्षडडा की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने मंत्री के खिलाफ गो बैक के नारे लगाए, जिससे वहां तृणमूल और भाजपा समर्थकों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की की स्थिति पैदा हो गई। सुजीत बोस ने स्वीकार किया कि अग्निशमन के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे।दमकल विभाग के डीजी रणबीर कुमार ने बताया कि फैक्ट्री और गोदाम के पास कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं था। 35 हजार वर्ग फुट में फैला यह परिसर पूरी तरह अवैध रूप से सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर चलाया जा रहा था। इसकी जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने फैक्ट्री मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

## दिल्ली में अब स्मार्ट होंगी स्ट्रीट लाइटें, जरूरत पर ही जलेंगी, ऊर्जा की होगी बड़ी बचत

नई दिल्ली,31 जनवरी। दिल्ली में स्ट्रीट लाइटों की जरुरत नहीं हैं तो वह स्वत: बंद हो जाएगी। अगर, कोई भी उस सड़क से गुजरेगा तो वह जल जाएगी। इसके लिए एमसीडीइंटेलिजेंट लाइटिंग मैनेजमेंट सिस्टम ( आईएलएमएस ) तकनीक को लागू करने पर काम कर रही है। इसके लिए निगम ने 12 में छह जोन में इस तकनीक को स्थापित करने के लिए रुचिकारों संगठनों और कंपनियों से एक्सप्रेशन आफ इंटरेस्ट ( इओआई ) आमंत्रित किया है। एमसीडी की योजना है कि सिविल लाइंस, सिटी और सदर पहाड़गंज, करोल बाग जोन, केशवपुरम जोन, रोहिणी जोन और नरेला जोन में यह तकनीक लागू की जाए। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आईएलएमएस तकनीक से खराब स्ट्रीट लाइटों की रियल टाइम मानिटरिंग की जा सकती है। वहीं, जो शिकायतें खराब स्ट्रीट लाइटों की आती है उनको कम से कम समय में समाधान के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है। वहीं, अगर किसी मार्ग से कोई नहीं गुजर रहा है तो स्ट्रीट लाइट की रोशनी भी स्वत: कम होने लगती है और ज्यादा देर तक यही स्थिति होने पर लाइट बंद भी हो जाती है। वहीं, इसमें



लगे सेंसर किसी व्यक्ति, वाहन या जानवर के गुजरने पर स्वत: जल जाती है। अधिकारियों के अनुसार इससे ऊर्जा की बचत भी होती है। जिसका लाभ एमसीडी को बिजली के बिल के भुगतान में बचत होने से होगा। अधिकारी ने बताया कि फिलहाल उपरोक्त छह जोन 3.12 लाख स्ट्रीट लाइटें हैं। इसमें अनधिकृत कालोनियों में 80 हजार लाइटें शामिल हैं।इनमें से ज्यादातर स्ट्रीट लाइटों को 2012 और 2022 के बीच हाई-प्रेशर सोडियम वेपर ( एचपीएसवी ) लैंप से एलईडी में बदला गया था।

आईएलएमएस तकनीक स्ट्रीट लाइट को एक सेंट्रल कंट्रोल रूम से दूर से निगरानी और नियंत्रण करने की अनुमति देता है। यह सिस्टम दिन की रोशनी की उपलब्धता के आधार पर लाइट को कम करने में भी सक्षम बनाचा है। अधिकारी ने आगे बताया कि ईओआई को दो चरण में किया जाएगा। इसमें एक मकसदन रुचिकारों की तकनीक पर चर्चा से होगा। जबकि दूसरे चरण में इसमें वित्तीय होगा। कम से कम कीमत पर ज्यादातर तकनीक और सुविधाएं देने वालों को इसके लिए चयन करने की कोशिश है।

## पूर्वी सिंहभूम को कुष्ठ मुक्त बनाने का संकल्प 30 जनवरी से स्पर्श जागरूकता अभियान शुरू

जमशेदपुर,31 जनवरी। पूर्वी सिंहभूम को कुष्ठ मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में दो अहम अभियानों की रूपरेखा तय की गई। जिले में 30 जनवरी से स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान और 9 मार्च से कुष्ठ रोगी खोज अभियान ( चक्र-2 ) चलाया जाएगा।समाहरणालय में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि ग्रामीण स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। स्पर्श अभियान 30 जनवरी से शुरू होकर 14 फरवरी तक चलेगा। वहीं, 9 मार्च से 23 मार्च तक स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर



संदिग्ध मरीजों की पहचान करेंगी, ताकि उनका समय पर इलाज शुरू हो सके। जागरूकता के लिए ग्राम सभा और पंचायत प्रतिनिधियों की मदद ली जाएगी। स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को भी इस मुहिम से जोड़ा गया है।

## एरिजोना में अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर गोलीबारी, बॉर्डर पैट्रोल एजेंट की गोलीबारी में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

एरिजोना,31 जनवरी । अमेरिकी सीमा गश्ती दल के एक एजेंट से जुड़ी गोलीबारी में एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आई हैं और वह क्रिटिकल कंडीशन में है। घटना मंगलवार सुबह पिमा काउंटी के एरिवाका क्षेत्र में हुई, जो यूएस-मेक्सिको सीमा से लगभग 10 मील ( 16 किमी ) उत्तर में स्थित है। पिमा काउंटी शेरिफ विभाग ने बताया कि गोलीबारी वेस्ट एरिवाका रोड के माइलपोस्ट 15 के पास सुबह करीब 7.30 बजे हुई।

सांता रीता फायर डिस्ट्रिक्ट ने घायल व्यक्ति को हेलीकॉप्टर से क्षेत्रीय ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। घायल व्यक्ति अब हिरासत में है और उसका इलाज चल रहा है। शेरिफ क्रिस नैनोस के अनुसार, एफबीआई ने जांच की जिम्मेदारी ली है और यह एक संघीय अधिकारी पर कथित हमले की जांच कर रही है। पिमा काउंटी शेरिफ विभाग एफबीआई और यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के साथ समन्वय कर रहा है। विभाग ने कहा कि संघीय एजेंट शामिल होने पर ऐसी जांचें स्टैंडर्ड प्रक्रिया हैं और पूरी जांच में समय लगेगा।



## बारपेटा में ब्रह्मपुत्र नदी में पलटी नाव, 6 लोग लापता

नई दिल्ली 31 जनवरी। असम के बारपेटा जिले में मंगलवार को ब्रह्मपुत्र नदी में एक मोटर वाली यात्री नाव पलट गई। इस हादसे में कम से कम छह लोगों के लापता होने की आशंका है। यह घटना तब हुई जब राहपुर से बोरघुल जा रही नाव अचानक नदी के बीच में पलट गई, जिसके बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया।बारपेटा जिले के सीनियर पुलिस अधीक्षक सुशांत बिस्वा सरमा ने न्यूज एजेंसी ने बताया कि ह्ल्ठक्रस्न, स्ठक्रस्न की टीमें पुलिस के साथ मिलकर तलाशी और बचाव अभियान में लगी हुई हैं। दूसरी ओर, स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नाव में लाइफ जैकेट नहीं थी।

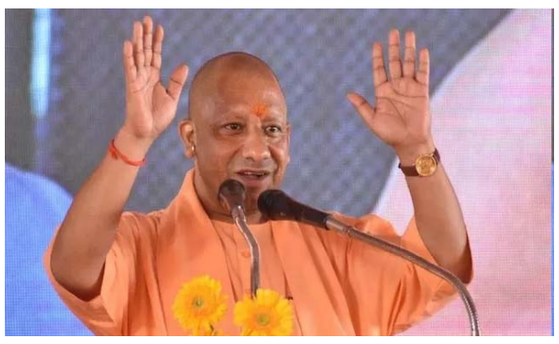

## यूपी में कारोबार करना होगा और भी आसान, नियमों के सरलीकरण के लिए आवास विभाग ने बनाई कमेटी

लखनऊ, 31 जनवरी [ एजेंसी ]। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग ने ईज आफ डुइंग बिजनेस में सुधारों को बढ़ावा देने के लिए कंप्लायंस रिडक्शन एंड डीरेगुलेशन फेज-दो ( अनुपालन में कमी और विनियमन में ढील ) से संबंधित बिंदुओं को लागू लागू करने की कार्ययोजना बनाने के लिए समिति का गठन किया है।समिति को एक सप्ताह के अंदर अपनी रिपोर्ट देगी।

जिसके आधार पर दो महीने के अंदर समस्त कार्यवाही पूरी की जाएगी। प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन पी. गुरुप्रसाद ने सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को समिति का अध्यक्ष बनाया है। लखनऊ, गाजियाबाद और वाराणसी के उपाध्यक्ष को सदस्य बनाने के साथ ही निदेशक आवास बंधु को भी सदस्य



बनाया गया है।मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग सदस्य संयोजक बनाया है। भारत सरकार द्वारा अन्य विभागों को भी ईज आफ डुइंग बिजनेस में सुधारों को बढ़ावा देने के लिए कंप्लायंस रिडक्शन एंड डीरेगुलेशन फेज-दो में भूमि, भवन, विनिर्माण, ऊर्जा, श्रम, फायर, पर्यावरण, पर्यटन, स्वास्थ्य व शिक्षा जैसे उच्च क्षेत्रों में सुधार के लिए निर्देशित किया गया है।

पहले चरण में शामिल 23 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में भारत सरकार द्वारा की रैंकिंग में यूपी को पहला स्थान प्राप्त हुआ था। प्रदेश सरकार ने फेज-दो को लागू कराने के काम को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है।

## एटीआर में बाघ की मौत, नहीं मिले घायल बाघ:दो घायल बाघों को तलाशने गई टीम को तीसरे का शव मिला, दो लापता

रायपुर/बिलासपुर,31 जनवरी ( एजेंसी )। अचानकमार टाइगर रिजर्व के सारसडोल गांव के करीब जंगल में एक नर बाघ का शव मिला है। बाघ का शव लगभग सड़ चुका था। यह शव उन्हें मिला जिन्हें दो घायल बाघ को तलाशने की जिम्मेदारी दी गई थी। ये दोनों बाघ ट्रैप कैमरा में घायल हालत में दिखाई दिए थे।पिछले 8 दिन से उनकी तलाश की जा रही है लेकिन उनका कोई प?ता नहीं लग पाया है। जंगल में तैनात टीम उनका पता नहीं लगा सकी है। बाघ के मरने के बाद लाश सड़ चुकी थी और एटीआर के मैदानी अमले को इसकी खबर नहीं लगी। इससे स्पष्ट है कि एटीआर का प्रबंधन पूरी तरह से फेल हो चुका है।बाघों की गणना के लिए लगाए गए ट्रैप कैमरा के चिप से डाटा निकाल रहे एटीआर प्रबंधन के अफसरों के होश उस समय उड़ गए जब 20 जनवरी की फोटो में दो बाघ घायल हालत में खून से लथपथ दिखाई दिए। दोनों ही कैमरों की फोटो सारसडोल से जल्दा रोड के ही थे लेकिन दोनों की दूरी 5 किलोमीटर से अधिक थी।यह जानकारी 2 जनवरी को अफसरों को हुई। उन्होंने तत्काल एक टीम बनाकर 25 जनवरी को टीम को उस क्षेत्र में रवाना किया जहां पर घायल बाघ दिखाई दिए थे।टीम क्षेत्र में तलाशी ले रही थी तभी उन्हें सारसडोल के परिवृत्त परिसर कुडेरापानी के कक्ष क्रमांक 120 रिजर्व फारेस्ट में दुर्गंध आना शुरू हुई। सभी लोग दुर्गंध की तरफ गए तो वहां पर दूर से एक बाघ लेटा दिखाई दिया करीब पहुंचे तो देखा की दुर्गंध वहीं से आ रही थी। बाघ का शव सड़ने लगा था। इसकी सूचना तत्काल एटीआर प्रबंधन को दी गई। बाघ की उम्र लगभग 2 साल थी। इसकी खबर मिलते ही पूरे महकमें भी हड़कंप मच गया। आनन-फानन में डाक्टरों की टीम मौके पर रवाना की गई।

## देमार सड़क हादसा : ट्रक और एक्सएल 6 की आमने-सामने टक्कर, एक की मौत, चार गंभीर घायल

धमतरी, 31 जनवरी ( एजेंसी )। देमार में आज एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक और एक्सएल 6 कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।घटना की सूचना मिलते ही वरदान परमार्थ सेवा समिति के सदस्य शिवा प्रधान, हेमंत साहू, राजू साहू एवं हेमंत प्रधान तत्काल मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को तत्परता से एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल धमतरी लाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

### रायपुर में रसोइयों की हड़ताल

# 2 महिलाओं की मौत:दुर्ग-बालोद में चल रहा था इलाज, 30 दिन से धरने पर बैठीं महिलाएं, मानदेय, परमानेंट की मांग

रायपुर,31 जनवरी ( एजेंसी ) । छत्तीसगढ़ के लगभग 86,000 रसोइया पिछले 30 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। रायपुर के तूता धरना स्थल में 2 महिला रसाइयों की तबीयत बिगड़ गई, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। रसोइया न्यूनतम मानदेय, स्थायीकरण और सामाजिक सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक मृत रसोइया का नाम दुलारी यादव है। वह बेमेतरा जिले के सालधा गांव की रहने वाली थी। वहीं बालोद के कुसुमकासा गांव की रुकमणि सिन्हा की जान गई है। दोनों की हालत 25 जनवरी को बिगड़ी थी। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मौत हो गई।

वहीं 2 रसोइयों की मौत पर कांग्रेस ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यूनतम मानदेय, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियों की मांग कर रही रसोइयों की आवाज को भाजपा सरकार लगातार नजरअंदाज कर रही है। सरकार की नाकामी से महिलाओं की जान गई।

इस पर लोक शिक्षण संचालनालय ने बयान जारी कर बताया कि दोनों ही मामलों में मौत का धरना स्थल या हड़ताल से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। वहीं रसोइया संघ के अध्यक्ष रामराज कश्यप ने बताया कि दोनों की तबीयत धरना स्थल पर बिगड़ी थी। सरकार मृतकों के परिजनों को मुआवजे दे। मांगों को भी तत्काल पूरी करे।

दरअसल, छत्तीसगढ़ स्कूल मिड-डे मील यूनियन के बैनर तले नवा रायपुर में रसोइयों का आंदोलन 29 दिसंबर 2025 से जारी है। बेमेतरा जिले के बेरला ब्लॉक के सालधा गांव स्थित

सरकारी प्राथमिक स्कूल में पदस्थ दुलारी यादव 29 दिसंबर से आंदोलन स्थल पर बैठी थी।

आंदोलन के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद 25 जनवरी 2026 को उन्हें रायपुर के डॉ. बीआर अम्बेडकर मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि दुलारी यादव को पहले से हार्ट की प्रॉब्लम थी। हालत बिगड़ने पर उन्हें मेकाहारा ले जाया गया, जहां से उन्हें भिलाई स्थित शंकराचार्य इंस्टीट्यूट रेफर किया गया।

डॉक्टर्स ने मेटाबोलिक एसिडोसिस से मौत की आशंका जताई है।

वहीं बालोद जिले के कुसुमकसा की रहने वाली रसोइया रूखमणि सिन्हा 20-23 जनवरी तक रसोइया संघ के आंदोलन में शामिल रही। इस दौरान उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। वह 24 तारीख को रायपुर से लौटी। इसके बाद उन्हें 108 एम्बुलेंस से बालोद जिला अस्पताल ले जाना पड़ा।

मृतिका के भतीजा देवेश सिन्हा ने बताया कि आंदोलन से लौटने के बाद उन्हें चक्कर और पेट में दिक्कत आ रही थी। जिला अस्पताल से 1 घंटे के बाद रेफर कर दिया गया। स्थिति खराब हो चुकी थी। आनन-फानन में राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज ले गए। इलाज चल रहा था, लेकिन 26 जनवरी दोपहर 2 बजे उनकी मौत हो गई।

रसोइया संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामराज कश्यप ने बताया कि 2 आंदोलनकारियों की मौत के बाद भी सरकार नहीं जाग रही है। सरकार ने वादा किया था कि मानदेय बढ़ाया जाएगा, लेकिन सरकार वादा पूरा नहीं कर रही है। सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं की जा रही है।

रसोइया संघ के प्रदेश अध्यक्ष बताया कि रसोइयों को न्यूनतम मानदेय, स्थायीकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर लंबे समय से आंदोलन करना पड़ रहा है, लेकिन सरकार ध्यान नहीं दे रही है। सरकार लंबित मांगों पर उदासीनता बरत रही है। सरकार मृत रसोइयों के परिजनों को मुआवजा और मांगों पर तत्काल निर्णय ले।

वहीं छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने 2 रसोइयों की मौत पर कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यूनतम मानदेय, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियों की मांग कर रही रसोइयों की आवाज को भाजपा सरकार लगातार नजरअंदाज कर रही है। जिन महिलाओं के श्रम से सरकारी स्कूलों में लाखों बच्चों का पोषण सुनिश्चित होता है।

कांग्रेस ने कहा कि वही महिलाएं आज सड़कों पर बैठने को मजबूर हैं। भाजपा सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि वह कब तक महिला श्रमिकों की उपेक्षा करती रहेगी। समय रहते ठोस निर्णय और संवेदनशील हस्तक्षेप नहीं किया गया, तो यह संकट और गहराएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा सरकार की होगी।

वहीं छत्तीसगढ़ लोक शिक्षण संचालनालय ने रसोइयों की मौत पर बयान जारी किया है। प्रशासन ने बताया कि भ्रामक खबर चलाई जा रही है कि धरना स्थल पर हड़ताल में बैठे दो रसोइयों की मौके पर ही तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। यह जानकारी पूरी तरह तथ्यहीन है।

लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार हड़ताल पर बैठे रसोइयों के प्रतिनिधियों से संचालक लोक शिक्षण संचालनालय और स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव स्तर पर चर्चा हुई थी। इस दौरान शासन ने रसोइयों के प्रति संवेदनशील रुख अपनाते हुए उनके मानदेय में 25 प्रतिशत की वृद्धि यानी 500 रुपए की बढ़ोतरी की जानकारी दी थी।हड़ताल समाप्त कर घर लौटने का आग्रह किया गया था। इसके बावजूद कुछ रसोइयों ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया। दोनों मौतों का धरना स्थल से कोई संबंध नहीं है। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि दोनों ही मामलों में मौत का धरना स्थल या हड़ताल से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है।

## सक्ती में धान खरीदी को लेकर किसानों का प्रदर्शन, कई इलाकों में चक्का जाम

सक्ती , 31 जनवरी ( एजेंसी )। जिले में धान खरीदी को लेकर किसानों की नाराज़गी सामने आई है। जिले के विभिन्न हिस्सों में किसानों ने सड़कों पर उतरकर चक्का जाम किया, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई।

किसानों का कहना है कि धान खरीदी केंद्रों में तय उम्मीद के मुताबिक धान की खरीदी नहीं हो पा रही है। इसी वजह से कई खरीदी केंद्रों के सामने किसानों ने एकत्र होकर विरोध दर्ज कराया।किसानों के अनुसार, धान खरीदी के अंतिम चरण में प्रक्रिया और नियमों को लेकर उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ किसानों का यह भी कहना है कि टोकन जारी होने के बावजूद पूरी मात्रा में धान नहीं लिया जा रहा, जिससे वे असमंजस की स्थिति में हैं।चक्का जाम के कारण आम लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सड़कों पर आवागमन बाधित होने से स्कूली बच्चों, कर्मचारियों और राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

## एनएचएआई के क्षेत्रीय कार्यालय में आन-बान-शान के साथ फ हराया तिरंगा

रायपुर, 30 जनवरी ( एजेंसी )। गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर में आन-बान-शान के साथ तिरंगा फहराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अधिकारी प्रदीप कुमार लाल ने कहा कि आज ह।ढ़ देश के समग्र अधोसंरचना विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग केवल सड़कें नहीं, बल्कि विकास की जीवनरेखा हैं। इनके माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, औद्योगिक क्षमता, पर्यटन और स्थानीय उत्पाद देश के साथ-साथ वैश्विक बाजार से भी जुड़ रहे हैं।क्षेत्रीय अधिकारी श्री लाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा भी एनएचएआई की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। गुणवत्तापूर्ण निर्माण, आधुनिक तकनीकों के उपयोग और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास निरंतर किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भारतीय संविधान के मूल्यों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के उप महाप्रबंधक दिलीप सिंह मीणा, शुभम कुमार, प्रियांक कुमार, राजेंद्र कुमार, प्रवीण कुमार सिन्हा, संजीत सरकार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल, छत्तीसगढ़ में भी बैंकों का कामकाज ठप

रायपुर, 30 जनवरी ( एजेंसी )। बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के कारण सरकारी बैंकों में कामकाज ठप है, जबकि प्राइवेट बैंकों पर इसका असर नहीं है. यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर इस हड़ताल का आह्वान किया है.यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस बैंक कर्मचारियों ने मंगलवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल शुरू की है, जिसका असर छत्तीसगढ़ राज्य में भी देखने को मिल रहा है। बैंक कर्मचारी राज्यों के हर जिले में अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस वजह से आज बैंक भी बंद हैं। बता दें कि अलग-अलग वजह से बैंक बंद होने का ये लगातार चौथा दिन है।छत्तीसगढ़ में 25 हजार कर्मचारी हड़ताल पर ह। ध्यान रहे कि बीते शुक्रवार ( 23 ) जनवरी को बैंक खुले थे, 25 जनवरी को महीने का चौथा शनिवार था, इसलिए बैंक बंद थे। 25 को रविवार और 26 जनवरी ( सोमवार ) को गणतंत्र दिवस के कारण बैंक बंद थे। चौथे दिन मंगलवार को कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से बैंक बंद है। चार दिन से बैंक बंद होने के चलते बैंक ग्राहकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सौतेला व्यवहार करने का लगा रहे

आरोपबैंक कर्मी पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की मांग पर अड़े हैं। उनका कहना है कि हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं में बैंकर्स का बहुत बड़ा योगदान है। दो साल पहले एग्रीमेंट के दौरान आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभी तक लागू नहीं किया है। कर्मचारियों का कहना है कि बैंकर्स का काम फ ायनेंशियल से जुड़ा है। जब सभी विभागों सेबी में फाइव डे वर्किंग है तो बैंकिंग सेक्टर में क्यों नहीं दिया जा रहा है।ये बैंक बैंदछत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, इंडियन बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक सहित सभी बैंकों के कर्मचारी हड़ताल पर हैं।आरोपबैंक कर्मी पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की मांग पर अड़े हैं। उनका कहना है कि हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं में बैंकर्स का बहुत बड़ा योगदान है।

# मां को टुकड़ों में काटा...कटोरे में खून पीया:शक्तिशाली बनने गुरु को जलाया,तांत्रिक ने लोटे में भरा बच्चे का खून, 5 मर्डर की 5 कहानियां

रायपुर,31 जनवरी छत्तीसगढ़ में अंधविश्वास की वजह से लोगों की बलि दी जा रही है। 5 बड़ी हत्याओं के बारे में पढ़ें और जानें कि इन हत्याओं को तांत्रिक क्रियाओं के लिए कैसे अंजाम दिया गया। - छत्तीसगढ़ में अंधविश्वास की वजह से लोगों की बलि दी जा रही है। 5 बड़ी हत्याओं के बारे में पढ़ें और जानें कि इन हत्याओं को तांत्रिक क्रियाओं के लिए कैसे अंजाम दिया गया।

छत्तीसगढ़ में तंत्र-सिद्धि, शक्ति पाने की सनक, अमीर बनने और पैसों की बारिश के लालच में हत्याओं को लेकर पार्ट- 1 में आपने 8 खौफनाक मर्डर की स्टोरी पढ़ी, जिसमें हमने बताया था कि तंत्र-मंत्र के नाम पर मर्डर क्यों हो रहे हैं, किस-किस पैटर्न पर तांत्रिक हत्याएं कर रहे और करवा रहे हैं ?

आज हम आपको अंधविश्वास में मर्डर इन्वेस्टिगेशन के पार्ट-2 में बताएंगे कैसे तंत्र-विद्या के नाम पर इंसान अपने ही रिश्तों का गला घोंट रहा है। हर केस में कहानी एक जैसी है। किसी ने तांत्रिक बनने, किसी ने गुरु की शक्ति हासिल करने हत्या की। किसी को बताया गया कि खून से शक्ति मिलेगी, किसी को कहा गया कि बलि से धन बरसेगा।पहली कहानी जशपुर की है। यहां तंत्र-सिद्धि के लिए एक चाचा ने मासूम बच्ची का सिर धड़ से अलग कर दिया। धमतरी में शिष्य ने गुरु को काट डाला, खून पीया और शव को जला दिया, ताकि 'सिद्धि' मिल सके।कोरबा में बेटे ने अपनी ही मां को कुल्हाड़ी से काटा। शव

के टुकड़े किए। खून पीया।

वहीं रायगढ़ में रक्षाबंधन से पहले बेटे ने अपनी मां की बलि चढ़ाई। शव को ड्रम डाला। शव के टुकड़े किए। खून को सिद्धि का साधन माना। रक्षाबंधन के दिन बहन ने तंत्र पूजा करते पकड़ा। वहीं दुर्ग में तांत्रिक पति-पत्नी ने पड़ोसी के बच्चे की बलि चढ़ाई। लोटे में खून भरा और तंत्र पूजा की। 7 लोगों को फांसी की सजा भी हुई।

इस रिपोर्ट में पढ़िए तांत्रिकों का नेटवर्क कैसे डर, लालच और अंधविश्वास से लोगों को कातिल बना रहा है, लोग डॉक्टर से पहले बैगा और तांत्रिकों के पास क्यों जा रहे, तांत्रिकों के इस जाल से कैसे बचें, क्या करें, क्या न करें ?छत्तीसगढ़ के 5 जिले जशपुर, धमतरी कोरबा, रायगढ़ और दुर्ग में हत्याएं तंत्र विद्या के नाम पर हुई हैं। इनमें पहला और सबसे खतरनाक पैटर्न 'बलि' का है। इस पैटर्न में मासूम बच्चा, महिलाओं या करीबी रिश्तेदारों को तंत्र-सिद्धि, धन-वर्षा और शक्ति पाने के नाम पर मारा गया।इन मामलों में हत्या पूरी तरह योजनाबद्ध थी। तारीख, स्थान और विधि पहले से तय थी। अपराध के बाद तांत्रिक क्रिया की गई। वहीं दूसरा पैटर्न शक्ति छीनने की दिखी। शिष्य ने अपने गुरु को इसलिए काट डाला क्योंकि उसे बताया गया था कि गुरु की मौत से उसकी शक्ति शिष्य में आ जाएगी।हत्या के बाद खून पीना, शव को जलाना और मंत्रों का उच्चारण तांत्रिक पैटर्न की पहचान है। ये हत्या आवेग में नहीं, बल्कि लंबे मानसिक ब्रेनवॉश के बाद की गई थी।

दरअसल, जशपुर जिले में चाचा ने अपनी 3 साल की भतीजी की हत्या कर दी। उसने बच्ची का सिर काटा। बलि चढ़ाई और शव को चूल्हे में फेंक दिया। आरोपी रामप्रसाद नाग ( 35 साल ) का उसके भाई राजाराम नागघर और परिवार में पहले से विवाद चल रहा था।

आरोपी आए दिन अपने भाई से झगड़ा करता था। 5 मार्च को बच्ची खुशी नाग ( 3 साल ) का पिता मवेशी चराने गया था।

## राजधानी में राष्ट्रीयकृत बैंकों में हड़ताल से करोड़ों का व्यवसाय प्रभावित

रायपुर, 31 जनवरी ( एजेंसी )। देश के विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों के अह्वान पर आज गणतंत्र दिवस शनिवार और रविवार के पश्चात 27 जनवरी को बैंक कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के कारण करोड़ों रूपए का व्यवसाय प्रभावित हुआ। वहीं आवश्यकता मंद लोग एटीएम का सहारा लेते रहे। मिली जानकारी के अनुसार राजधानी में स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा सहित अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकी की 30 से अधिक शाखाएं यहां पर शासकीय कार्यों का भुगतान चलान एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्य किया जाता है। स्टेट बैंक में शासकीय खाते के लिए चलान भरा जाता है, लेकिन यहां पर बैंक कर्मियों की हड़ताल होने के कारण करोड़ों का व्यवसाय प्रभावित हुआ। कारोबारियों के अनुसार इस समय आरटीजीएस तथा अन्य सुविधाएं प्राप्त हैं, ऑनलाईन बैंकिंग होने के कारण लोगों को तकनीकी सुविधा मिलती है, लेकिन अंततः बैंक में ही जाना पड़ता है। बैंक कर्मचारी एसोसिएशन के अनुसार प्रत्येक शनिवार को छुट्टी देने और कामकाज स्टॉफ की कमी को दूर करने की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। बैंक कर्मियों का कहना है कि हम प्रत्येक आधा घंटा ज्यादा काम करेंगे, लेकिन शनिवार को छुट्टी देना चाहिए। ज्ञात रहे मोदी के आने के बाद बैंकिंग कार्यप्रणाली में सुधार हुआ एलआईसी में भी सुधार हुआ है। पॉलिसी धारकों को तत्काल पॉलिसी मच्योर होने पर तत्काल भुगतान किया जाता है। वहीं बैंक में अब कर्मचारियों को दो के बजाय 4 बजे तक काम करना पड़ता है,

## छत्तीसगढ़ में फि र बदलेगा मौसम का मिजाज, ठंड के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश के भी आसार

रायपुर, 31 जनवरी ( एजेंसी )। जनवरी का महीना अब समाप्ति की ओर है, लेकिन छत्तीसगढ़ में ठंड का असर अभी भी बना हुआ है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में प्रदेश के मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल सकता है। ठंड के साथ-साथ कुछ इलाकों में हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल दो मौसम तंत्र सक्रिय हैं और जल्द ही एक नया पश्चिमी विक्षोभ भी उत्तर भारत में प्रवेश करेगा। इसके प्रभाव से 28 जनवरी को उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में बादल छाने के साथ हल्की बारिश और गरज-चमक हो सकती है। इसके बाद प्रदेश में न्यूनतम तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने के आसार हैं।

पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे छत्तीसगढ़ में मौसम शुष्क बना रहा। इस दौरान कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। राजनांदगांव में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा। बीते कुछ दिनों से रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखी जा रही थी, लेकिन अब फिर से ठंड बढ़ने की संभावना है।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 30 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है, जिसका असर छत्तीसगढ़ में भी महसूस किया जाएगा। 27 जनवरी को प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। 28 और 29 जनवरी को सरगुजा और आसपास के बिलासपुर संभाग के जिलों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक गिरावट आ सकती है, जबकि अन्य जिलों में तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। राजधानी रायपुर में सुबह के समय हल्की धुंध देखने को मिली। दिन में मौसम साफ रहने की संभावना है और अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को सुबह और रात के समय ठंड से बचाव के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है।

## शब्द सामर्थ्य -054

( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

**ऊपर से नीचे**

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

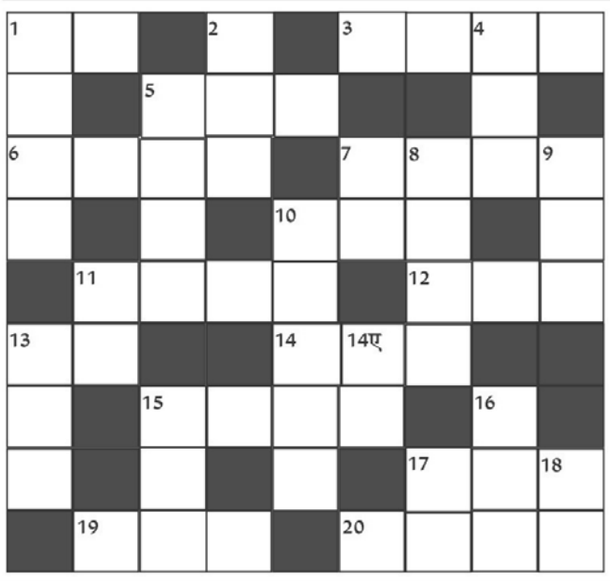

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| खा | म | खां | ■ | ■ | इं | ■ | ■ | ■ |
| स | ह | ■ | ब | र | सा | त | ■ | प |
| ■ | क | हा | नी | ■ | न | क | च | ढ़ा |
| त | ■ | ■ | स्ब | ■ | ■ | ली | ■ | ई |
| क | या | म | त | ■ | क | फ | न | ■ |
| दी | ■ | र्दा | ■ | बा | बू | ■ | ह | वा |
| र | ह | ना | ■ | ल | त | खो | र | ■ |
| ■ | वा | ■ | नौ | क | र | ■ | ■ | सा |
| भा | ई | ■ | का | ■ | ■ | बा | द | ल |

# चौथे टी20 में भारत को मिली 50 रनों से हार, शर्मा-सूर्या और हार्दिक रहे फ्लॉप

विशाखापट्टनम,31 जनवरी (एजेंसी)। आखिरकार न्यूजीलैंड पांच मैचों की टी20 सीरीज में पहली जीत दर्ज करने में सफल हो गया. विशाखापट्टनम में खेले गए सीरीज के चौथे मैच में ब्लैक कैप्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 215 रन बनाए और फिर भारतीय टीम को 18.4 ओवर में 165 रनों पर समेट के 50 रनों जीत दर्ज की.

इस मैच में भारतीय बल्लेबाज वैसी बल्लेबाजी नहीं कर पाए जैसी उसने पिछले तीन मैचों में की थी. ओपनर अभिषेक शर्मा पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले कैच आउट हो गए. वहीं कप्तान सूर्या 8 रन और हार्दिक 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए.

तीन मैच में लगातार फ्लॉप रहने वाले सैमसम इस मैच में भी कुछ खास नहीं कर सके और 24 रन ही बना पाए. वहीं रिंकू सिंह 39 रनों की पारी खेली. लेकिन आखिर में शिवम दूबे ने तेजी से रन बनाए और भारत के जीतने की उम्मीद जिंदा कर दी. उन्होंने मात्र 23 गेंद में 65 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और 7 छक्के शामिल थे. लेकिन जैसे ही वो दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हो गए, वैसे ही भारत के जीतने की उम्मीद भी खत्म हो गई.

कीवी कप्तान ने सबसे शानदार गेंदबाज की और 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट निकालने में सफल रहे. इसके अलावा सोढ़ी और डफी ने 2-2 विकेट लिए.

इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पूरे 20 में 7 विकेट खोकर 215 रन बनाए. जो कि भारत के खिलाफ उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है. कीवी टीम के दोनों ओपनरों ने शानदार



शुरुआत की थी और पहले विकेट के लिए 100 रनो की साझेदार की. जिसमें सेफर्ट के 36 गेंद में 62 और कॉन्वे के 23 गेंद में 44 रन शामिल है.उसके बाद कोई बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका. आखिर में डेरिल मिशेल ने 18 गेंदों में 39 रन बनाकर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचा दिया. इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स 16 गेंद में 24 रन बनाने में सफल रहे. वहीं भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव सफल गेंदबाज रहे. दोनों ने चार ओवर दो-दो विकेट झटके.भारत टीम ने अपनी प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है. तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को फाइनल इलेवन में वापस लाया गया है जबकि ईशान किशन को आराम दिया गया है. वहीं न्यूजीलैंड की प्लेइंग-11 में भी एक बदलाव देखने को मिला है. तेज गेंदबाज काइल जैमिसन की जगह जैकरी फाउल्क्स को एक बार फिर फाइनल इलेवन में जगह दी गई है, जो दूसरे टी20 में सबसे खर्चीले गेंदबाज साबित हुए थे.

वो तीन ओवर में 67 रन दे डाले थे, जब भारत ने 15 ओवर में ही 209 रन को चेज कर लिया था.टॉस के समय भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, हम पहले गेंदबाजी करना चाहते हैं, क्योंकि यह एक अच्छी विकेट लग रही है, कल रात बहुत ओस थी और आज थोड़ी नमी भी है, इसलिए हमें लगता है कि दूसरी इनिंग में गेंद बल्ले पर अच्छे से आएगी. मुझे लगता है कि सबसे जरूरी बात यह है कि हमने पिछले एक साल में जो अच्छी आदतें बनाई हैं, उन्हें दोहराएं और हम जो अच्छा कर रहे हैं, उसे करते रहना चाहते हैं.उन्होंने ये भी कहा कि पिछले मैच में चोट लगने के कारण ईशान किशन की जगह अर्शदीप आए हैं. अक्षर पटेल को अभी थोड़ा और समय चाहिए, इसलिए उम्मीद है कि हम उन्हें अगले मैच में देखेंगे. आज हमारे पास पांच अच्छे बॉलिंग ऑप्शन हैं, तो देखते हैं कैसा रहता है.

वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने कहा, यह फिर से एक अच्छी विकेट लग रही है. ओस की वजह से बाद में गेंद से थोड़ा मुश्किल हो सकता है. हम इस भारतीय टीम की क्वालिटी जानते हैं, और हमने पहले तीन मैचों में यह देखा है. इसलिए हमें गेंद से बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है. इससे पहले हमे आज रात एक मजबूत टोटल बनाने होंगे.भारत की प्लेइंग इलेवन: अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, हर्षित राणा, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह.

न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवन: टिम सेफर्ट (विकेटकीपर), डेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), जैकरी फाउल्क्स, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी.

## बांग्लादेश की टीम आएगी भारत, सरकार ने दे दी परमीशन

नईदिल्ली ,31 जनवरी (एजेंसी)। भारत में टी20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार करने वाली बांग्लादेश सरकरा ने अपनी शूटिंग टीम को भारत भेजने के मंजूरी दे दी है. रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश सरकार ने एशियन राइफल और पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए बांग्लादेशी टीम को भारत जाने की मंजूरी दे दी है. ये चैंपियनशिप 2 से 14 फरवरी तक राजधानी दिल्ली में आयोजित होंगी.बता दें कि बांग्लादेश का यह फैसला सुरक्षा कारणों से क्रिकेट टीम को भारत न भेजने के बाद आया है. बांग्लादेश के युवा और खेल मंत्रालय ने आधिकारिक तौर इस दौरे के लिए एक सरकारी बयान भी जारी किया है. ।

## टी-20 विश्व कप के इतिहास में इन बल्लेबाजों ने जड़े हैं शतक

नईदिल्ली ,31 जनवरी (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2026 का आगाज 7 फरवरी से होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक कई खिलाड़ियों ने धमाकेदार पारियां खेलीं हैं। हालांकि, अब तक 9 बार खेले गए इस टूर्नामेंट में सिर्फ 11 बल्लेबाजों ने ही शतक जड़ा है। क्रिस गेल को छोड़कर और कोई भी बल्लेबाज एक से ज्यादा शतक नहीं लगा पाया है। ऐसे में आइए टूर्नामेंट के इतिहास में शतक जड़ने वाले बल्लेबाजों पर एक नजर डाल लेते हैं।गेल ने टी-20 विश्व कप के इतिहास का पहला शतक लगाया था। उन्होंने 2007 में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ 57 गेंदों में 117 रन की पारी खेली थी। उनके बल्ले से 7 चौके और 10 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 205.26 की रही थी। सुरेश रैना ने 2010 में दक्षिण अफ्रीका के ही खिलाफ 60 गेंदों में 101 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 9 चौके और 5 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 168.33 की थी।श्रीलंका के पूर्व स्टार बल्लेबाज महेला जयवर्धने ने 2010 के टी-20 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ 64 गेंदों का सामना करते हुए 100 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 10 चौके और 4 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 156.25 की रही थी।

## नीदरलैंड्स ने रचा इतिहास, पहली बार महिला टी20 वर्ल्ड कप में किया क्वालीफाई

कीर्तिपुर ,31 जनवरी (नेपाल) (एजेंसी)। नीदरलैंड्स ने बुधवार को टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार महिला टी20 वर्ल्ड कप में जगह बनाकर इतिहास रच दिया. टीम ने नेपाल के कीर्तिपुर में खेले गए यूरोपियन क्वालिफायर मैच में बारिश से प्रभावित मैच में यूएसए को हराकर क्वालिफिकेशन हासिल किया.अपने ग्रुप में टॉप पर रहने के बाद, नीदरलैंड्स ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, यूएसए को हराया और इस बड़े टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की. साथ ही, खिलाड़ियों को अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न अनोखे अंदाज में मनाते देखा गया, जब वे पिच को बारिश से बचाने के लिए बिछाए गए कवर्स पर फिसल रही थी.टॉस जीतकर यूएसए ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन विपक्षी गेंदबाजों ने उन्हें कम स्कोर पर रोक दिया. गार्गी भोगले (36) और इसानी वाघेला (32 नॉट आउट) ही दो ऐसी खिलाड़ी थीं जो क्रीज पर सहज दिख रही थीं. हालांकि, पांच खिलाड़ी सिर्फ सिंगल डिजिट में ही रन बना पाईं. हन्ना लैंडहीर गेंदबाजों में सबसे सफल रहीं, उन्होंने तीन विकेट लिए.जवाब में, नीदरलैंड्स 12 ओवर में दो विकेट पर 90 रन बनाकर लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था, लेकिन बारिश के कारण खेल रुक गया, जो फिर से शुरू नहीं हो सका. उस समय डच टीम डीएलएस के हिसाब से आगे थी, इसलिए उन्हें विजेता घोषित कर दिया गया.नीदरलैंड्स क्वालिफायर के ग्रुप स्टेज में अजेय रहा. उन्होंने ग्रुप बी में टॉप पर रहने के लिए जिम्बाब्वे, स्कॉटलैंड, नेपाल और थाईलैंड को हराया. इसके बाद टीम ने पहले सुपर सिक्स मैच में यूएसए को हराकर क्वालिफिकेशन पक्का किया, जबकि आयरलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो मैच अभी बाकी थे.हालांकि, पांच खिलाड़ी सिर्फ सिंगल डिजिट में ही रन बना पाईं. हन्ना लैंडहीर गेंदबाजों में सबसे सफल रहीं, उन्होंने तीन विकेट खेल रुक गया,

## भारत बनाम न्यूजीलैंड: टी-20 अंतरराष्ट्रीय में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बने शिवम दुबे

नईदिल्ली,31 जनवरी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खलाफ चौथे टी-20 मैच में अर्धशतक (65) लगाया। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 5वां अर्धशतक साबित हुआ। इस बीच वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की ओर से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। हालांकि, उनकी पारी के बावजूद भारतीय टीम को 50 रन से मैच में हार मिली। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

लक्ष्य का पीछा करते हुए जब भारत ने 63 रन के स्कोर पर अपना चौथा विकेट खोया, तब दुबे क्रीज पर आए। उन्होंने अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगाते हुए जोरदार शुरुआत की। उन्होंने ईश सोढ़ी के एक ओवर में ही 2 चौके और 3 छक्के भी लगाए और सिर्फ 15 गेंदों पर ही अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 23 गेंदों पर 65 की पारी खेलकर रन आउट हुए।

उन्होंने 3 चौके और 7 छक्के भी लगाए।दुबे के 15 गेंदों में 50 रन अब टी-20 अंतरराष्ट्रीय में किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा बनाया गया तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। भारत के लिए सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड अभी भी युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 19 सितंबर, 2007 को डरबन में इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में 50 रन बनाए थे। अभिषेक शर्मा ने 25 जनवरी, 2026 को गुवाहाटी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाए थे।दुबे ने 282.60 की स्ट्राइक रेट से अपनी ये अर्धशतकीय पारी खेली। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय पारी में भारत के लिए सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट (50+ रन) रखने वाले बल्लेबाजों में शुमार हुए। उनसे आगे इस सूची में युवराज सिंह (16 गेंदों पर 362.50 की स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाम इंग्लैंड, 2007) और अभिषेक शर्मा (20 गेंदों पर 340 की स्ट्राइक रेट से 68 बनाम न्यूजीलैंड, 2026) हैं।

न्यूजीलैंड को डेवोन कॉनवे (44) और साइफर्ट (62) ने अच्छी शुरुआत दिलाई। मध्यक्रम में ग्लेन फिलिप्स 16 गेंदों में 24 रन और आखिरी ओवरों के दौरान डेरिल मिचेल ने 18 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाते हुए टीम का स्कोर 215/7 तक पहुंचाया।

जवाब में भारत से अभिषेक शर्मा (0), सूर्यकुमार यादव (8) और हार्दिक पांड्या (4) के जल्दी आउट होने के बाद रिंकू सिंह (39) और शिवम दुबे (65) ने संघर्ष किया, लेकिन टीम 165 रन पर सिमट गई।शिवम ने पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। उन्होंने अब तक 54 मुकाबले खेले हैं और इसकी 39 पारियों में 28.80 की औसत और 149.20 की स्ट्राइक रेट से 749 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 5 अर्धशतक निकले हैं।इस बीच वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की ओर से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। हालांकि, उनकी पारी के बावजूद भारतीय टीम को 50 रन से मैच में हार मिली। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

लक्ष्य का पीछा करते हुए जब भारत ने 63 रन के स्कोर पर अपना चौथा विकेट खोया, तब दुबे क्रीज पर आए।

# व्यापार

## चांदी ने तोड़े सारे पुराने रिकॉर्ड; कीमत चार लाख के पार

नई दिल्ली भारत में चांदी की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। वायदा कारोबार में चांदी की कीमत चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई। वहीं सोने ने भी लंभी छलांग लगाई है। आइए जानें आज का अपडेट।

अगर आप सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे हैं, तो यह खबर आपको चौंका सकती है। सोने और चांदी की कीमतें लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। भारत से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार तक कीमती धातुओं में ऐसी तेजी देखने को मिल रही है, जैसी पहले कभी नहीं दिखी।

भारत में सोना 1.71 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है, जबकि चांदी चार लाख रुपये प्रति किलो के ऐतिहासिक स्तर पर कारोबार कर रही है। बाजार में चर्चा है कि अगर यही रुझान जारी रहा, तो आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ सकती हैं।अंतरराष्ट्रीय बाजार में रिकॉर्ड तेजीअंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को सोने की कीमत 5,591.61 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। स्पॉट गोल्ड 2.1% की तेजी के साथ 5,511.79 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। सोना इस सप्ताह अब तक 10% से अधिक चढ़ चुका है और सोमवार को पहली बार 5,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार किया था।चांदी भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। स्पॉट सिल्वर 118.061 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी, जबकि सत्र के दौरान इसने 119.34 डॉलर प्रति औंस का नया ऑल-टाइम हाई छुआ।भारतीय बाजार में भी ऐतिहासिक उछाल

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (स्रूङ्ग) पर बुधवार को सोना 1,66,355 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं, चांदी 3,86,530 रुपये प्रति किलो के पर पहुंच गई।सर्राफा बाजार का हालदिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। बुधवार को चांदी 15,000 रुपये महंगी होकर 3.85 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। यह लगातार तीसरा दिन था जब चांदी में बड़ी तेजी दर्ज की गई। इससे पहले 26 जनवरी को चांदी के भाव में 40,500 रुपये की भारी छलांग लगी थी। सोना भी पीछे नहीं रहा। 99.9% शुद्धता वाला सोना बुधवार को 5,000 रुपये की तेजी के साथ 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया।

तेजी के पीछे बड़े कारण

1. अमेरिकी फेडरल रिजर्व का संकेतअमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को तटस्थ रखा। फेड चेयर जेरोम पॉवेल ने कहा कि महंगाई अभी भी 2% के लक्ष्य से ऊपर है। इससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ी और निवेशकों ने सोने का रुख किया।

2. अमेरिका-ईरान तनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से परमाणु समझौते पर बातचीत की अपील की और चेतावनी दी कि भविष्य में सैन्य कार्रवाई और कठोर हो सकती है। इसके जवाब में ईरान ने अमेरिका, इस्राइल और उनके सहयोगियों पर जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी। इस तनाव ने सोने की मांग को और मजबूत किया। 3. क्रिप्टो कंपनियों का सोने में निवेशरॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिप्टो कंपनी टेदर अपने पोर्टफोलियो का 10-15% हिस्सा भौतिक सोने में निवेश करने की योजना बना रही है। इससे सोने की कीमतों को अतिरिक्त समर्थन मिला। 4. डॉलर में कमजोरीअमेरिकी डॉलर में गिरावट से सोने और चांदी की कीमतों को मजबूती मिली। 5. चांदी की अलग कहानीचांदी की कीमतों में तेजी का कारण सोने के मुकाबले सस्ता विकल्प, आपूर्ति में कमी और तेजी से बढ़ती खरीदारी है। इस साल अब तक चांदी की कीमतों में 60% से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है

## अब नहीं मांगने पड़ेंगे 'छुट्टे' ! एटीएम से निकलेंगे 10, 20, 50 रुपए के भी नोट

नई दिल्ली,31 जनवरी (एजेंसी) । अक्सर बाजार, ऑटो या बस में सफर के दौरान 500 का नोट देना लोगों के लिए मुसीबत बन जाता है। दुकानदार हों या ऑटो चालक—अक्सर जवाब मिलता है, छुट्टे नहीं हैं। छोटे नोटों (10, 20, 50) की कमी से आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरतें प्रभावित होती रही हैं। अब इस समस्या से राहत की खबर सामने आई है। केंद्र सरकार छोटे नोटों की किल्लत दूर करने के लिए हाइब्रिड एटीएम लगाने की योजना पर काम कर रही है। ये एटीएम केवल नकदी निकालने तक सीमित नहीं होंगे, बल्कि बड़े नोटों को छोटे नोटों में बदलने की सुविधा भी देंगे। यानी अब 500 या 200 का नोट डालकर मशीन से 10, 20 और 50 के नोट प्राप्त किए जा सकेंगे।मुंबई में शुरू हुआ ट्रायलइस योजना का ट्रायल फिलहाल मुंबई में किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इन हाइब्रिड एटीएम को बाजारों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, अस्पतालों और सरकारी कार्यालयों जैसी अधिक



भीड़भाड़ वाली जगहों पर लगाया जाएगा, जहां नकदी की जरूरत सबसे ज्यादा होती है।नकद पर निर्भर तबके को मिलेगी राहतभले ही डिजिटल भुगतान तेजी से बढ़ रहा हो, लेकिन दिहाड़ी मजदूर, छोटे दुकानदार, सब्जी विक्रेता और रोजाना सफर करने वाले लोग आज भी नकदी पर निर्भर हैं। उनके लिए छुट्टे नोटों की कमी एक बड़ी रोजमर्रा की समस्या बनी हुई है। हाइब्रिड एटीएम इस वर्ग के लिए बड़ी राहत साबित हो सकते हैं।क्रक्चढ्ढ की भी अहम भूमिकाभारतीय रिजर्व बैंक भी इस योजना में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जरूरत पड़ने पर छोटे मूल्य के नोटों की छपाई बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि एटीएम में छुट्टों की कोई कमी न हो। सरकार और क्रक्चढ्ढ का साफ कहना है कि मकसद नकदी को खत्म करना नहीं, बल्कि नकदी को लोगों के लिए अधिक सुविधाजनक और सुलभ बनाना है।केंद्र सरकार छोटे नोटों की किल्लत दूर करने के लिए हाइब्रिड एटीएम लगाने की योजना पर काम कर रही है। ये एटीएम केवल नकदी निकालने तक सीमित नहीं होंगे, बल्कि बड़े नोटों को छोटे नोटों में बदलने की सुविधा भी देंगे। यानी अब 500 या 200 का नोट डालकर नोट प्राप्त किए जा सकेंगे।

## रूस से तेल आयात घटा रहा इंडियन ऑयल, ब्राजील-अंगोला से खरीद बढ़ी; अमेरिका से व्यापार समझौते में मदद

नई दिल्ली,31जनवरी (एजेंसी) । इंडियन ऑयल ने रूसी कच्चे तेल की खरीद घटाकर ब्राजील, अंगोला और मध्य पूर्व से आयात बढ़ाया है। यह कदम भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और टैरिफ राहत में अहम साबित हो सकता है।देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने मार्च में रूसी तेल में कटौती की भरपाई के लिए ब्राजील की पेट्रोब्रास समेत कई अन्य देशों से 70 लाख बैरल तेल खरीदा है। घरेलू रिफाइनरियां अपने शीर्ष आपूर्तिकर्ता रूस से दूरी बनाने और मध्य पूर्व से आयात बढ़ाने के लिए रणनीतियों में बदलाव कर रही हैं। यह कदम भारत को अमेरिका के साथ टैरिफ कम करने के लिए व्यापार समझौता करने में मदद कर सकता है।सूत्रों के अनुसार, आईओसी ने शेल से अबू धाबी के मुरबान ग्रेड का 10 लाख बैरल और व्यापारी मर्कुरिया से अपर जाकुम ग्रेड का 20 लाख बैरल खरीदा है। एक्सॉन से अंगोला के हंगो और क्लोव ग्रेड का 10 लाख बैरल भी खरीदा है। आईओसी ने वैकल्पिक अनुबंध के तहत पेट्रोब्रास से ब्राजील के बुजियोस तेल के 20 लाख बैरल भी खरीदे हैं, जो पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर सौदा करने की सुविधा प्रदान करता है।रूस से दूरी, रणनीति में बदलावगोपनीयता समझौतों के कारण तेल खरीदी के कुल मूल्य का आंकड़ा कंपनियों ने नहीं दिया है। आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में भारत का रूसी तेल आयात दो वर्षों में सबसे निचले स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, ओपेक देशों से आयात का हिस्सा 11 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गया। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत रियायती रूसी समुद्री कच्चे तेल का सबसे की सरकारी गया।

## वॉट्सऐप में आया लॉकडाउन जैसा पावरफुल फीचर, हैकिंग और साइबर अटैक से मिलेगी हाई-लेवल सुरक्षा

नई दिल्ली 31 जनवरी (एजेंसी) । दुनिया के सबसे लोकप्रिय इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप ने यूजर्स की सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए एक जबरदस्त फीचर पेश किया है। इसे 'स्ट्रिक्ट अकाउंट सेटिंग्स' नाम दिया गया है। कंपनी इसे एक 'लॉकडाउन-स्टाइल फीचर' बता रही है, जो यूजर्स को साइबर हमलों और हैकिंग के खतरों से बचाने के लिए एक एडवांस सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। यह नया अपडेट विशेष रूप से पत्रकारों, मशहूर हस्तियों और हाई-प्रोफाइल यूजर्स के लिए बेहद मददगार साबित होगा, जो अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर रहते हैं।अनजान नंबरों और लिंक पर लगेगी लगामजब कोई यूजर 'स्ट्रिक्ट अकाउंट सेटिंग्स' फीचर को ऑन करता है, तो वॉट्सऐप की सुरक्षा सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच जाती है। हालांकि, इससे ऐप के काम करने का तरीका थोड़ा सीमित जरूर हो जाता है, लेकिन सुरक्षा कई गुना बढ़ जाती है। इस फीचर के इनेबल होने के बाद अनजान यूजर्स या नंबरों से आने वाले फोटो, वीडियो और अटैचमेंट्स अपने आप ब्लॉक हो जाएंगे। इतना ही नहीं, चैट में भेजे जाने वाले किसी भी लिंक का थंबनेल या प्रिव्यू दिखाई देना बंद हो जाएगा और अनजान लोगों की कॉल भी अपने आप साइलेंट हो जाएंगी। यह सब कुछ यूजर को संदिग्ध गतिविधियों से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है।एप्पल और गूगल की राह पर मेटाअमेरिका में मेटा अब तीसरी ऐसी बड़ी टेक कंपनी बन गई है, जिसने अपने हाई-रिस्क यूजर्स के लिए इतना तगड़ा सिक्योरिटी बूस्ट पेश किया है।

इससे पहले साल 2022 में आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल ने 'लॉकडाउन मोड' पेश किया था। वहीं, गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने भी एंड्रॉयड यूजर्स के लिए 'एडवांस्ड प्रोटेक्शन मोड' की सुविधा दी थी। वॉट्सऐप ने मंगलवार को एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि वे निजता के अधिकार की रक्षा में विश्वास रखते हैं और यह फीचर सबसे जटिल साइबर हमलों से बचाने की दिशा में एक अहम कदम है।प्राइवेसी सेटिंग्स में जाकर करना होगा एक्टिवेटइस फीचर का लाभ उठाने के लिए यूजर्स को खुद इसे एक्टिवेट करना होगा। इसके लिए वॉट्सऐप की सेटिंग्स में जाकर 'प्राइवेसी' सेक्शन चुनना होगा और वहां दिए गए 'एडवांस्ड ऑप्शन' में जाकर इसे इनेबल किया जा सकेगा। कंपनी के मुताबिक, आने वाले कुछ हफ्तों में इस फीचर को ग्लोबल लेवल पर सभी यूजर्स के लिए रोलआउट कर दिया जाएगा। हालांकि, इससे ऐप के काम करने का तरीका थोड़ा सीमित जरूर हो जाता है, लेकिन सुरक्षा कई गुना बढ़ जाती है। इस फीचर के इनेबल होने के बाद अनजान यूजर्स या नंबरों से आने वाले फोटो, वीडियो और अटैचमेंट्स अपने आप ब्लॉक हो जाएंगे। इतना ही नहीं, चैट में भेजे जाने वाले किसी भी लिंक का थंबनेल या प्रिव्यू दिखाई देना

# इस बार भी परीक्षा देने 15 से 20 किलोमीटर दूर जाने की मजबूरी

## छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नए केंद्रों की नहीं दी मंजूरी

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। बीते साल की तरह इस बार भी हाई स्कूल की 98 और हायर सेकेंडरी की बोर्ड परीक्षा 96 केन्द्रों में ही होगी। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नए केंद्रों की मंजूरी नहीं दी है। जिला शिक्षा विभाग से पाली ब्लॉक के दूरस्थ हाई स्कूलों को परीक्षा केन्द्र बनाने प्रस्ताव भेजा था। परीक्षा केन्द्र नहीं होने से इन दोनों स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को परीक्षा देने 15 से 20 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। इस साल भी यही मजबूरी रहेगी।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर से 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा इस बार 20 फरवरी से आयोजित होगी परीक्षा शुरू होने में अब 21 दिन

बाकी रह गए हैं। ऐसे में जिले के परीक्षा केंद्रों को पहले से ही संसाधनों से पूर्ण करने की तैयारी है। छग माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव द्वारा घोषित परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी की गई है। इसमें बीते साल की तरह इस बार भी 98 व 96 परीक्षा केन्द्र को ही बताया गया है, जबकि डीईओ ने पाली ब्लॉक में हाई स्कूल मुनगाडीह और सपलवा में दो नए केंद्र बनाने की मांग बोर्ड से की थी। डीईओ के मांग-पत्र को बोर्ड ने अस्वीकार कर दिया है। नए परीक्षा केंद्र को मंजूरी नहीं मिलने के कारण बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों को सफर का तनाव और अन्य परेशानी होगी। मुनगाडीह से पाली की दूरी 15 किमी है। मुनगाडीह हाई स्कूल में पढ़ने वाले छात्र मुनगाडीह के साथ आसपास के गांवों से होते हैं, जिन्हें पाली आकर परीक्षा देने कम से 15 से 20 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है, जबकि सपलवा हाई स्कूल के छात्र परीक्षा देने चैतमा आते हैं। सपलवा से चैतमा की दूरी 20 किमी है, जबकि सपलवा हाई स्कूल में सपलवा के साथ 5 से 10 किमी रेज के गांवों के छात्र पढ़ते हैं। ऐसे में उन्हें परीक्षा के लिए चैतमा आने 20 से 25 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। परीक्षा केन्द्र दूर होने के कारण उन्हें किसी न किसी जान-पहचान के यहां आकर रुकना पड़ता है।

# सत्यनारायण बाबा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी, एक गिरफ्तार

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। श्री सत्यनारायण बाबा के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के मामले में रायगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कोरबा पुलिस के सहयोग से आरोपी को पकड़कर पूछताछ के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

गुरुवार को साहू समाज के पदाधिकारियों ने सत्यनारायण बाबा के विरुद्ध सोशल मीडिया में आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किए जाने को लेकर पुलिस को ज्ञापन सौंपते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायगढ़ शशि मोहन सिंह ने थाना प्रभारी कोतरारोड़ को तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। साइबर एक्सपर्ट टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान सलिहाभाठा थाना उरगा, निवासी के रूप में की। इसके बाद एक विशेष टीम को कोरबा रवाना किया गया, जहां कोरबा पुलिस के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री साझा करने में प्रयुक्त विवो कंपनी का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

## दिन-रात के तापमान में 15 डिग्री का अंतर

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। जिले के मौसम में फिर से बदलाव हो रहा है। पिछले तीन दिन से बदली छा रही है। तापमान में 2 से 3 डिग्री फिर गिरावट आएगी। इससे रात में ठंड बढ़ गई है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के करीब रहा। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन तक घने बदल छाने की संभावना जताई है। इसकी वजह से भी न्यूनतम तापमान 12 से 14 डिग्री के बीच ही रहेगा। इसके बाद तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। अधिकतम तापमान भी 30 से 31 डिग्री के बीच रहने की संभावना है।न्यूनतम तापमान 15 डिग्री पर पहुंचने से रात में भी ठंड गायब हो गई थी। अब फिर से ठंड शुरू हो गई है। विभाग ने फरवरी के पहले सप्ताह में भी बदली छाने की संभावना जताई है। तापमान में फिर लगातार बढ़ोतरी होगी, जिससे गर्मी बढ़ेगी।

# हनुमान मंदिर से दान पेटी की चोरी

## स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चोरों की करतूत

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं के बीच अब चोरों ने आस्था के केंद्र को भी नहीं बख्शा है। सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन के सामने स्थित श्री श्री हनुमान मंदिर की दान पेटी को अज्ञात चोरों ने देर रात चोरी कर लिया। इस पूरी घटना की वारदात रेलवे स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना का खुलासा सुबह उस समय हुआ जब ऑटो संघ के सदस्य और पदाधिकारी नियमित पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे। दान पेटी गायब देख सभी स्तब्ध रह गए। इसके बाद रेलवे आरपीएफ और कोतवाली पुलिस को तत्काल सूचना दी गई। ऑटो संघ के सदस्यों के अनुसार दान पेटी पिछले करीब डेढ़ साल से नहीं खोली गई थी और इसमें प्रतिदिन ऑटो संघ के सदस्य व श्रद्धालु चढ़ावा चढ़ाते थे। अनुमान लगाया जा रहा है कि दान पेटी में लगभग 80 से 90 हजार रुपये नकद मौजूद थे। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, अब तो चोर भगवान के दरबार तक पहुंच गए हैं। यह कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।स्थानीय नागरिकों और ऑटो संघ के पदाधिकारियों ने पुलिस से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द से जल्द चोर की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके।

# संपन्न हुआ धान खरीदी अभियान : दूसरे साल भी लक्ष्य से 12 फीसदी दूर रह गया आकांक्षी जिला कोरबा

**0 43 हजार 566 किसानों ने समर्थन मूल्य पर बेचा 648 करोड़ का 27 .38 लाख क्विंटल धान 0 धान बेचने केंद्रों तक नहीं पहुंचे 17 फीसदी किसान**

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। समर्थन मूल्य पर किए जा रहे धान खरीदी अभियान पर शुक्रवार से विराम लग चुका है। कोरबा जिला लगातार दूसरे साल तय लक्ष्य से 12.21 फीसदी दूर रह गया। वहीं पंजीकृत 17 फीसदी किसान धान बेचने नहीं पहुँचे। तय लक्ष्य 31.19 लाख क्विंटल की पूर्ति में 41 समितियों के 65 उपार्जन केंद्रों में 43 हजार 566 किसानों ने 27 लाख 38 हजार 120.40 क्विंटल समर्थन मूल्य पर 648 करोड़ 66 लाख 7 हजार 227.60 रूपए का धान बेचा।

जिले को खरीफ विपणन वर्ष 2025 -26 में 31.19 लाख क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया था। पंजीकृत 52 हजार 556 किसानों के 68 हजार 656 .57 हेक्टेयर रकबे से लक्ष्य की पूर्ति की जानी थी। लेकिन लगातार दूसरे साल जिला लक्ष्य के करीब पहुंचते पहुँचते 12.21 फीसदी दूर रह गया। 15 नवंबर से 31 जनवरी तक चले धान खरीदी अभियान में 41 समिति के 65 उपार्जन केंद्रों में 27 लाख 38 हजार 120.40 क्विंटल धान की आवक हुई। 43 हजार 566 किसानों ने समर्थन मूल्य पर 648 करोड़ 66 लाख 7 हजार 227.60 रुपए का धान बेचा। 88 हजार 54 .60 क्विंटल धान खरीदी कर उपार्जन केंद्र भैसमा लगातार दूसरे साल सभी 65 उपार्जन केंद्रों में सिरमौर रहा। खरीदे गए धान में से 31 जनवरी की स्थिति में 14 लाख 13 हजार 970 क्विंटल 51.64 फीसदी धान का उठाव ही हुआ है। इस साल कोरबा जिले को 31लाख 19 हजार क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया था ।जिसकी पूर्ति में जिले में 27 लाख 38 हजार 120.40 क्विंटल समर्थन मूल्य पर 648 करोड़ 66 लाख 7 हजार 227 .60 रुपए के ही धान की आवक हो सकी। तय लक्ष्य से जिला 3 लाख 80 हजार 879 .6 क्विंटल ( 12.21 फीसदी ) धान की आवक से पिछड़ गया। गत वर्ष 29 लाख 15 हजार 548.80 क्विंटल समर्थन मूल्य पर 670 करोड़ 57 लाख 62 हजार 240 रुपए के धान की आवक हुई थी। इस लिहाज से भी जिले में गत वर्ष की तुलना 1 लाख 77 हजार 428 क्विंटल ( 6.08 फीसदी ) की खरीदी कम है।

### 8 हजार 990 किसान नहीं बेच सके धान

इस साल धान खरीदी के लिए कुल 52 हजार 566 किसानों ने एग्रिस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराया था।जिसमें से 8 हजार 990 ( 17.10 फीसदी ) किसान उपार्जन केंद्र में धान ही नहीं बेच सके। गत वर्ष 2024 -25 की तुलना करें तो गत वर्ष 44 हजार 427 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान बेचा था। इस लिहाज से देखें तो गत वर्ष की तुलना में ही 861 किसान कम रह गए।

### 304 करोड़ 55 लाख के धान का उठाव शेष

जिले में 31 जनवरी की स्थिति में सभी 65 उपार्जन केंद्रों में 13 लाख 24 हजार 150 .40 क्विंटल समर्थन मूल्य पर 304 करोड़ 55 लाख 45 हजार 920 रुपए का धान उठाव के इंतजार में हैं। मार्कफेड द्वारा शत प्रतिशत धान के उठाव का डीओ तो जारी कर दिया गया है, लेकिन प्रदेश के कई जिलों में राइस मिलरों की दगाबाजी से रिसाइक्लिंग के मामले सामने आने के बाद पखवाड़े भर से उठाव पर लगाए गए प्रतिबंध ऑनलाइन गेट पास जारी नहीं होने से लगभग पखवाड़े भर से धान का उठाव ठप्प पड़ा है। लेकिन लगातार तेज होते धूप की वजह से खरीदे गए नमीयुक्त धान के वजन में लगातार कमी ( सूखत )आ रही है। जिसका वहन हर साल की तरह समितियों को करना पड़ेगा । जिले में इस साल उठाव की सबसे लचर व्यवस्था रही। जिसका खामियाजा समितियाँ भुगत रही हैं। 12 उपार्जन केंद्रों में 30 हजार क्विंटल से अधिक धान जाम हैं तो 5 उपार्जन केंद्रों में 40 हजार क्विंटल से अधिक धान उठाव के इंतजार में जाम हैं।

### हाथी प्रभावित केंद्रों में 40 हजार क्विंटल से अधिक धान जाम

40 हजार क्विंटल से अधिक धान जाम वाले केंद्रों में हाथी प्रभावित बरपाली ( कोरबा ),बरपाली ( बरपाली ) ,भैसमा, कोरबी ( पाली ) एवं नवापारा शामिल हैं। जिन 12 उपार्जन केंद्रों में 30 हजार क्विंटल से अधिक धान जाम होने वाले केंद्रों में अखरापाली,कोरबी ( पोंडी उपरोड़ा ),चैतमा, चिकनीपाली,तुमान,रामपुर,सिरमिना शामिल हैं। उतरदा,कनकी,करतला,केरवाद्वारी,कोथारी,जटगा, बेहरचू आं, फरसवानी, बिंझरा, श्यांग ,सोनपुरी एवं सोहागपुर शामिल हैं।

# फाइलों में दबा हसदेव एक्सप्रेस के विस्तार का प्रयास

## भिलाई और दुर्ग से नहीं जुड़ पाए यात्री

कोरबा( छ.ग.गौरव )।जिले के यात्रियों के लिए हसदेव एक्सप्रेस जरूरी ट्रेन है। यहां के लोग अपनी राजधानी से सीधे जुड़ गए हैं। यह सुविधा मिलने से एक दिन में आसानी से अपना जरूरी काम निपटाकर वापस भी आ जाते हैं।

पिछले साल विस्तार की उम्मीद भी जागी, लेकिन रेलवे का प्रयास फाइलों में ही रह गया। इसके कारण लंबी अवधि बीतने के बाद भी ऊर्जाधानी के लोग इस्पात नगरी भिलाई और दुर्ग से नहीं जुड़ पाए हैं, जबकि शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसाय व रोजगार की दृष्टि से दोनों दिशाओं के लोगों के लिए खास शहर है। बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं, लेकिन रायपुर के आगे की यात्रा उनके लिए कठिन हो जाती है। ज्ञात हो कि तत्कालीन केन्द्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल की पहल पर हसदेव एक्सप्रेस 6 अक्टूबर 2018 को शुरू हुई थी। यह गाड़ी तबसे रायपुर कोरबा रायपुर के बीच चल रही है। इससे एक दिन में लोग अपना सफर पूरा कर अपने घर पहुंच जाते हैं, जिससे बड़ी राहत मिल रही है, लेकिन चलने की पीड़ा भी दोनों दिशाओं के यात्रियों को है। इन यात्रियों को राहत दिलाने के साथ ही ट्रेन के परिचालन में किया जाने वाला अनावश्यक खर्च भी कम हो सकता है। इसके बाद भी 5 साल बीतने के बाद भी यह गाड़ी दुर्ग तक नहीं जा पाई है। हसदेव के रैक का रखरखाव बिलासपुर कोचिंग यार्ड में होता है, क्योंकि रायपुर में यह सुविधा नहीं है। सप्ताह में अलग-अलग दो दिन इस रैक को रायपुर से बिलासपुर कोचिंग यार्ड 110 किमी भेजा जाता है, जहां से मेंटेनेंस के बाद खाली रैक वापस रायपुर भेजा जाता है और वहां से यह गाड़ी रायपुर-कोरबा बनकर चलती है। इससे रेलवे पर अनावश्यक भार पड़ रहा है। यह भार दुर्ग तक विस्तार करने से कम किया जा सकता है, क्योंकि वहां कोचिंग यार्ड है, जहां पीएम हो सकता है, लेकिन जोन के अधिकारी अपने ही अधिकार क्षेत्र में गाड़ी को विस्तार देने से बच रहे हैं।

**विद्यार्थियों को मिलती बड़ी सुविधा** –भिलाई औद्योगिक केन्द्र के साथ एजुकेशन हब के रूप में जाना जाता है। तकनीकी, मेडिकल और उच्च शिक्षा के लिए हर साल बड़ी संख्या में जिले के युवा वहां जाकर पढ़ाई करते हैं। एक अनुमान के अनुसार करीब 4 हजार से अधिक छात्र भिलाई और दुर्ग में रहकर किसी न किसी क्षेत्र में अपना भविष्य गढ़ने की तैयारी में जुटे हुए हैं। बड़ी संख्या में लोग वहां रोजगार भी करते हैं। ये लोग सप्ताह में अवकाश के दिन अपने घर किसी तरह आ पाते हैं। अगर हसदेव एक्सप्रेस दुर्ग से चलाई जाती है तो इन्हें बड़ी राहत मिलेगी। अधिकांश जरूरतमंद छात्र हर दिन आना-जाना कर पाएंगे

## मछुआरा की डूबने से हुई मौत

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। हसदेव नदी के डुबान क्षेत्र में मछुआरे की डूबने से मौत हो गई। मामले को संदिग्ध मानकर पुलिस जांच कर रही है। बालकोनगर थाना अंतर्गत तराईडांड ( सोनगुढ़ा ) निवासी सुखलाल धनवार ( 50 ) प्रतिदिन की तरह गुरुवार दोपहर घर से मछली पकड़ने गांव के समीप हसदेव डूबान क्षेत्र में गया था। यहां - वह नाव लेकर पानी में उतरा था, लेकिन रात तक घर नहीं लौटा। चिंतित परिजन ने उसकी खोजबीन की। शुक्रवार सुबह डुबान क्षेत्र में उसकी नाव नजर आई। आसपास तलाश करने पर पानी के अंदर उसका शव मिला। परिजन ने घटना की सूचना पुलिस को दी। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि नाव पलटने की वजह से डूबने से सुखलाल की मौत हुई होगी।

# स्कूल-कॉलेजों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने विशेष पेट्रोलिंग

## पुलिस की सघन एवं ताबड़तोड़ कार्रवाई

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने एवं अवैध गतिविधियों पर सख्त अंकुश लगाने के उद्देश्य से सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को स्कूल एवं कॉलेजों के आसपास विशेष पेट्रोलिंग और सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के पालन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में स्कूल एवं कॉलेजों से छुट्टी के समय विशेष पेट्रोलिंग की गई।

इसी क्रम में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक आस्था शर्मा के नेतृत्व में थाना सिविल लाइन रामपुर क्षेत्र अंतर्गत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के आसपास अड्डेबाजी, अनुशासनहीनता एवं नियमों के उल्लंघन की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखते हुए समझाइश दी गई। आदतन रूप से इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की गई, जिससे शैक्षणिक वातावरण को सुरक्षित एवं अनुशासित बनाया जा सके। अभियान के दौरान थाना सिविल लाइन रामपुर क्षेत्र अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए कोटपा एक्ट के तहत कुल 6 प्रकरणों में कार्यवाही की गई। साथ ही मोटर व्हीकल एक्ट ( एम.वी. एक्ट ) के तहत 2 प्रकरणों में चालानी कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त ब्लू बर्ड स्कूल के समीप तंबाकूजन्य सामग्री का विक्रय करते पाए जाने से एक ठेले को बंद कराया गया। उक्त कार्रवाई विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने तथा स्कूल परिसर के आसपास सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई। पुलिस ने कहा कि अभियान के अंतर्गत आगे भी इसी प्रकार की सतत, सघन एवं सख्त कार्यवाही जारी रहेगी, ताकि जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे तथा विद्यार्थियों सहित आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा ( छ.ग. ) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623